भारत की विभिन्न विमानन कंपनियों की 30 से अधिक उड़ानों में शनिवार को बम होने की धमकी मिली।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:309 दिनांक:20-10-2024 रविवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

पूरे मैदान में घूमे, बल्ला हवा में घुमाया.......ऐसा था सरफराज का शतक सेलिब्रेशन

30 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी, साजिश या इसमें शरारती तत्व का हाथ?

अलग-अलग भारतीय विमानन कंपनियों की 20 से अधिक उड़ानों में शनिवार को बम होने की धमकी मिली है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि एयर इंडिया, इंडिगो, अकासा एयर, विस्तारा, स्पाइसजेट, स्टार एयर और एलायंस एयर की उड़ानों को धमकियां मिली हैं

नई दिल्ली: भारत की विभिन्न विमानन कंपनियों की 30 से अधिक उड़ानों में शनिवार को बम होने की धमकी मिली।सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि विभिन्न सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये एअर इंडिया, इंडिगो, अकासा एयर, विस्तारा, स्पाइसजेट, स्टार एयर और अलायंस एयर की 30 से अधिक घरेलू और विदेशी उड़ानों में बम होने की धमकी मिली है। उन्होंने बताया कि एक उड़ान के शौचालय में एक नोट मिला, जिसमें विमान में बम होने की बात लिखी हुई थी। इस हफ्ते अब तक भारतीय विमानन कंपनियों की कम से कम 70 उड़ानों में बम होने की धमकी मिली है। हालांकि, ये सभी धमकियां बाद में अफवाह निकलीं।

विस्तारा ने शनिवार को बताया कि अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर संचालित उसकी पांच उड़ानों में सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से बम की धमकी मिली, जिनमें यूके106 (सिंगापुर से मुंबई), यूके027 (मुंबई से फ्रैंकफर्ट), यूके107 (मुंबई से सिंगापुर), यूके121 (दिल्ली से बैंकॉक) और यूके131 (मुंबई से कोलंबो) शामिल हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''प्रोटोकॉल पर अमल करते हुए सभी संबंधित प्राधिकारियों को तुरंत सतर्क किया गया। प्राधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है।''

इसके अलावा, उदयपुर से मुंबई जाने वाली विस्तारा की उड़ान यूके 624 को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताएं थीं और विमान के सुरक्षित रूप से उतरने के बाद उसे अनिवार्य जांच के लिए 'आइसोलेशन बे' में ले जाया गया। मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि विमान के शौचालय में एक नोट मिला था, जिसमें लिखा था कि उसमें बम है। वहीं, इंडिगो ने बताया कि उसकी कम से कम चार उड़ानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट प्राप्त हुए, जिनमें 6ई17 (मुंबई से इस्तांबुल), 6ई11 (दिल्ली से इस्तांबुल), 6ई184 (जोधपुर से दिल्ली) और 6ई108 (हैदराबाद से चंडीगढ़) शामिल हैं।

कंपनी ने कहा कि वह मुंबई और दिल्ली से इस्तांबुल जाने वाली उड़ानों से जुड़े घटनाक्रम से वाकिफ है। दिल्ली-जोधपुर उड़ान के संबंध में उसने कहा कि विमान को राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षित रूप से उतार लिया गया और यात्री भी इससे बाहर आ चुके हैं। हैदराबाद-चंडीगढ़ उड़ान के बारे में इंडिगो ने कहा कि विमान के उतरने के बाद सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया और विमान को 'आइसोलेशन बे' में ले जाया गया।

सूत्रों ने बताया कि चंडीगढ़ हवाई अड्डे के अधिकारी 'आइसोलेशन बे' में विमान की गहन जांच कर रहे हैं। शुक्रवार को विस्तारा की तीन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बम होने की धमकी मिली थी, जो बाद में अफवाह निकली। इनमें से एक उड़ान को एहतियातन फ्रैंकफर्ट की तरफ मोड़ा गया था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय उड़ानों में बम होने की झूठी धमकी दिए जाने की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए सख्त नियम लागू करने की योजना बना रहा है, जिसमें ऐसा करने वालों को हवाई सफर से प्रतिबंधित करना शामिल है।

आज फाइनल में भिड़ेंगे न्यूजीलैंड-साउथ अफ्रीका, महिला टी20 वर्ल्ड कप में बनेगा इतिहास

नई दिल्ली (ईएमएस)। न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच महिला टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला 20 अक्टूबर यानी रविवार को खेला जाएगा। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम पहली बार वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचेगी। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को हराकर 14 साल बाद फाइनल में पहुंची है। वहीं साउथ अफ्रीका टीम लगातार दूसरी बार विश्व कप के खिताबी मुकाबला खेलेगी। न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को हराया वहीं साउथ अफ्रीका ने मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराया था। दोनों टीमों में से कोई भी टीम अभी तक यह टूर्नामेंट नहीं जीत सकी है। जो टीम इसे जीतेगी उसके नाम पहली बार टी20 विश्व कप ट्रॉफी होगी। भारतीय समय के मुताबिक यह मैच शाम 7:30 बजे दुबई में खेला जाएगा।

3 अक्टूबर को महिला टी20 वर्ल्ड कप का आगाज हुआ था जिसमें कुल दस टीमों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कई मैचों का फैसला आखिरी ओवर में हुआ। हालांकि खिताब की प्रबल दावेदार और मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की हार टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर थी। साल 2009 के बाद पहली बार विश्व कप फाइनल ऑस्ट्रेलिया के बगैर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया टीम सबसे ज्यादा 6 बार यह ट्रॉफी अपने नाम कर चुकी है। वहीं फाइनल में पहुंची साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड में ना तो उनकी पुरुष टीम और ना ही महिला टीम इस ट्रॉफी को अभी तक जीत सकी है।

न्यूजीलैंड ने मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में पहुंची है। टी20 विश्व कप में उतरने से पहले इस टीम ने साल 2024 में खेले 13 टी20 मैचों में से सिर्फ एक मैच जीता था। इसके बाद विश्व कप में उसने जो प्रदर्शन किए उससे फैंस भी हैरान है। अब यह टीम खिताब से एक कदम की दूरी पर है।

साउथ अफ्रीका को 'चोकर्स' कहा जाता है, क्योंकि यह टीम बड़े मुकाबलों में हार जाती है। पुरुष और महिला टीम पर यह टैग सटीक बैठता है। साउथ अफ्रीकी टीम लगातार दो बार उप विजेता रही है। इसकी पुरुष टीम हाल में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में हार गई थी। हलांकि महिला टीम के पास अब खिताब जीतकर इस मिथक को तोड़ने का बेहतरीन मौका है।

विकास को ढूंढ रही एफबीआई, दिल्ली पुलिस उसे पहले कर चुकी थी गिरफ्तार

-अभी जमानत पर है बाहर, पन्नू की हत्या की साजिश रचने का है आरोप

नई दिल्ली (ईएमएस)। खालिस्तानी आतंकी पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में एफबीआई ने जिस विकास यादव को मोस्ट वांटेड घोषित किया है उसे करीब दस महीने पहले दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया था। विकास के साथ एक और शख्स भी गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में मार्च में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की थी और अप्रैल 2024 में विकास को जमानत मिल गई थी।

बता दें रोहिणी के रहने वाले एक व्यापारी ने दिसंबर 2023 में पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके एक परिचित ने नवम्बर 2023 में विकास यादव को उससे मिलवाया था और कहा था कि ये एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी हैं। व्यापारी का काम इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजीज से जुड़ा है इसलिए उसके कई कांटेक्ट पश्चिम एशिया में भी हैं। व्यापारी ने पुलिस को बताया कि दोनों ने एक-दूसरे से नंबर लिए थे। दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई।

व्यापारी ने बताया कि विकास अकसर उसके काम और दोस्तों के बारे में पूछता था। विकास ने उसे ये बताया था कि वो अंडर कवर एजेंट का काम करता है लेकिन काम और दफ्तर की जानकारी कभी साझा नहीं की। व्यापारी की शिकायत के मुताबिक 11 दिसंबर को विकास ने उसे फोन किया और कहा किसी मुद्दे पर बात करनी है और लोधी रोड आ जाओ। जब वह लोधी रोड पहुंचा तो वहां पर विकास के साथ एक और शख्स मौजूद था जिसके बाद वह अपहरण कर डिफेंस कॉलोनी के फ्लैट में व्यापारी को ले गए और वहां पर विकास ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई ने उसे मारने की सुपारी दी है।

इसके बाद विकास के साथी ने व्यापारी के सिर पर मारा और उसकी सोने की चेन और अंगूठियां छीन ली फिर व्यापारी के साथ एक कैफे पर गए और वहां पर जो भी कैश था वह लेकर व्यापारी को सड़क के किनारे छोड़ गए और धमकी दे गए कि अगर किसी से शिकायत की तो ठीक नहीं होगा। इसके बाद व्यापारी ने दिल्ली पुलिस से शिकायत की पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर विकास और उसके साथी को 18 दिसंबर को गिरफ्तार कर लिया था।

पूछताछ में विकास के साथी ने बताया कि उसका पुरानी गाड़ी का व्यापार है जिसमें उसे नुकसान हुआ जिसकी बजह से वह विकास के साथ साजिश में शामिल हो गया था। वहीं विकास ने कहा कि उसके पिता बीएसएफ में थे। 2007 में उनकी मौत हो गई। विकास ने कहा कि जिस दिन वह व्यापारी से मिला था उसी दिन उसने इसके जरिए पैसे कमाने की योजना बना ली थी। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में मार्च महीने में चार्जशीट दाखिल की और अप्रैल में विकास को बेल मिल गई।

आरोपी के फोन में मिली बाबा सिद्दीकी के बेटे की तस्वीर......मुंबई पुलिस ने बताया

मुंबई (ईएमएस)। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद, मुंबई पुलिस को आरोपी के फोन में उनके बेटे की तस्वीर मिली है। पुलिस ने बताया कि मामले के मास्टरमाइंड ने स्नैपचैट के जरिए ज़ीशान सिद्दीकी की तस्वीर शूटर्स को भेजी थी।

बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में तीन शूटर्स में से गुरमेल सिंह और धर्मराज कश्यप को गिरफ्तार किया गया है,जबकि शिवकुमार गौतम अभी फरार है। चौथे आरोपी, हरिश कुमार निषाद, को यूपी से गिरफ्तार कर मुंबई लाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिद्दीकी की हत्या में शामिल शूटर्स ने कुर्ला इलाके में किराए के मकान में रहते हुए यूटयूब पर टयूटोरियल वीडियो देखकर हथियार चलाने की कला सीखी थी। आरोपियों ने करीब चार हफ्ते तक इसतरह के वीडियो देखकर स्नैपचैट के माध्यम से संवाद किया ताकि पुलिस की नज़र से बच सकें। इन दोनों एप में एक फीचर होता है जो संदेशों को देखने या समय सीमा खत्म होने के बाद स्वचालित रूप से हटा देता है।

इस हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। गैंग के एक सदस्य ने पर पोस्ट किया, जिसमें बताया गया कि बाबा सिद्दीकी को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि उनके बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के साथ करीबी संबंध थे और उनके कथित अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम जैसे लोगों से संपर्क थे।

उमर के प्रस्ताव को उपराज्यपाल की सहमति......गेंद अब केंद्र के पाले में

-पीएम मोदी से मिलने दिल्ली जाएगें उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर कैबिनेट के जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के प्रस्ताव पर उपराज्यपाल ने अपनी मंजूरी दे दी है। उमर अब्दुल्ला कैबिनेट ने प्रस्ताव को गुरुवार को ही मंजूरी दे दी थी, लेकिन शनिवार को प्रस्ताव को आधिकारिक रूप से स्वीकार किया गया है। बता दें कि 4 नवंबर को नवनिर्वाचित जम्मू-कश्मीर विधानसभा का पहला सत्र होगा।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया था। इसमें कहा गया कि पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना एक प्रक्रिया की शुरुआत होगी, जिससे जम्मू-कश्मीर के लोगों के संवैधानिक अधिकारों को पुनः प्राप्त हो सकेगा और उनकी पहचान की रक्षा होगी।

आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि सीएम अब्दुल्ला इस संबंध में प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों से मिलने के लिए आने वाले दिनों में नई दिल्ली जाएंगे। मंत्रिमंडल ने 4 नवंबर 2024 को श्रीनगर में विधानसभा सत्र बुलाने का फैसला किया और उपराज्यपाल को विधानसभा सत्र बुलाने और संत्र को संबोधित करने की सलाह दी।

मुबारिक गुल प्रोटेम स्पीकर नियुक्त

वहीं परिषद ने मुबारिक गुल को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने की भी एलजी को सिफारिश की, जो 21 अक्टूबर को विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाएंगे। इस बीच उपराज्यपाल ने अध्यक्ष के चुनाव होने तक गुल को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने का आदेश जारी किया है।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के द्वारा राज्य को दो हिस्सों में बांटा गया था, लेकिन अब पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए अधिनियम में संशोधन करना होगा। लोकसभा और राज्यसभा में भी इस पास कराना होगा और राष्ट्रपति के पास से अंतिम मुहर लगवानी होगी। इसके बाद ही जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिल पाएगा।

झारखंड के लिए भाजपा की पहली लिस्ट जारी, 66 उम्मीदवारों में 11 महिलाएं,

नई दिल्ली (ईएमएस)। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी। इस लिस्ट में 66 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। इन 66 उम्मीदवारों में 11 महिलाओं को जगह दी गयी है। राज्य में भाजपा कुल 68 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इस लिस्ट के बाद सिर्फ दो सीटों के लिए उम्मीदवारों का ऐलान बाकी रह गया है। भारतीय जनता पार्टी की पहली सूची में शामिल प्रमुख उम्मीदवारों में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी धनवार सीट से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इनके अलावा सीता सोरेन जामताड़ा से, चंपई सोरेन सरायकेला से और गीता कोड़ा जगन्नाथपुर से चुनाव लड़ेंगी।

ओडिशा के राज्यपाल और पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास की बहू पूर्णिमा साहू को जमशेदपुर पूर्व सीट के लिए बीजेपी ने टिकट दिया है। अर्जुन मुंडा की पत्नी को भी टिकट दिया गया है। मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा पोटका से चुनाव लड़ेंगी। पूर्व सीएम चंपई सोरेन और उनके बेटे दोनों ही चुनाव मैदान में हैं। उनके बेटे बाबूलाल सोरेन को घाटशिला से टिकट दिया गया है।

बीजेपी ने कोडरमा सीट के लिए नीरा यादव, गांडेय सीट के लिए मुनिया देवी, सिंदरी में तारा देवी, निरसा में अपर्णा सेनगुप्ता और झरिया से रागिनी सिंह को टिकट दिया है। चाईबासा में गीता बलमुच और छतरपुर विधानसभा सीट पर पुष्पा देवी भुइयां बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुदर्शन भगत को गुमला विधानसभा सीट पर प्रत्याशी बनाया गया है।

केंद्र सरकार ने विजया राहटकर को नियुक्त किया राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने विजया राहटकर को राष्ट्रीय महिला आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक्स पर कहा, आयोग को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एनसीडब्ल्यू अधिनियम 1990 की धारा 3 के अनुसार केंद्र सरकार ने विजया किशोर राहटकर को राष्ट्रीय महिला आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है।

एक सरकारी अधिसूचना में शनिवार को कहा गया कि राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 की धारा 3 के तहत की गई यह नियुक्ति तीन साल की अवधि या राहटकर के 65 वर्ष के होने (दोनों में जो भी पहले हो) तक के लिये होगी।

राहटकर पूर्व में महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकी हैं। साथ ही राहटकर राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा की ओर से सह-प्रभारी थीं।

राहटकर की नियुक्ति के अलावा सरकार ने एनसीडब्ल्यू के नए सदस्य भी नामित किए हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की एक अधिसूचना के अनुसार डॉ। अर्चना मजूमदार को आधिकारिक तौर पर तीन साल के कार्यकाल के लिए एनसीडब्ल्यू का सदस्य नियुक्त किया गया है।

झारखंड में सीटों के बंटवारे ने राजद को नाराज किया

रांची (ईएमएस)। झारखंड में सीटों के बंटवारे ने राजद को नाराज कर दिया है। राज्यसभा सांसद और राजद नेता मनोज झा ने कहा कि दुख के साथ कहना पड़ता है कि एकतरफा फैसला किया गया है। साथ ही कहा कि सभी विकल्प खुले हुए हैं।

मनोज झा ने कहा, हम अपने नेता तेजस्वी यादव के आग्रह पर यहां आए। आज सुबह हमारी मीटिंग थी। उस मीटिंग में यह पाया गया कि वोट की, जनाधार की ताकत राजद के पक्ष में है। पिछली बार हम 7 सीटों पर लड़े थे क्योंकि लालू यादव का हृदय विशाल था। हमारा लक्ष्य था कि भाजपा को हटाओ, आज भी लक्ष्य वही है। हम पांच सीटों पर रनरअप रहे। शायद हमारे गठबंधन के सहयोगी उतनी सीटों पर परसेंटेज के मामले में रनरअप नहीं रहे।

उन्होंने कहा, दुख के साथ कहना पड़ता है कि एक तरफा फैसला लिया गया कि आपको इतनी सीटों का ऑफर दिया जा रहा है। यह न राजद की ऐतिहासिक ताकत के अनुरूप है और न ही समकालीन परिस्थितियों के अनुरूप है। अलग-अलग जिलों में हमारी मौजूदगी बहुत ताकतवर है। हम अपने गठबंधन के सहयोगियों से इस बात का आग्रह करेंगे कि उसके अनुसार फैसला लीजिए।

उन्होंने कहा, कल से हमारे नेता तेजस्वी यादव यहां(रांची) हैं, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव यहां हैं। सब लोगों के होने के बावजूद अगर गठबंधन की बुनावट की प्रक्रिया में आपने हमें संलग्न नहीं किया तो इस बात का दुख तो होता है। इस बात का कष्ट होता है और कष्ट इस बात का भी होता है कि हमारी ताकत शायद बहुत ज्यादा है। आज हमने जो मीटिंग की है, उसमें हमने अलग-अलग जिलों की 15 से 18 ऐसी सीटें चिह्नित की हैं, जहां हम शायद अकेले भी भाजपा को परास्त करने में सक्षम हैं।

उन्होंने कहा, तमाम विकल्प खुले हैं, क्योंकि कोई भी राजनीतिक दल अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं की मनोभावना को दरकिनार करके आगे चले, यह उचित नहीं लगता।

इस मामले में तेजस्वी यादव ने झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर एक्स पर एक पोस्ट में कहा, झारखंड विधानसभा चुनाव में गठबंधन और चुनाव की तैयारियों के संदर्भ में झारखंड राजद के नेताओं व कार्यकर्ताओं की भावनाओं से अवगत हुआ। झारखंड में राजद की मजबूत स्थिति और सामाजिक आधार के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतिम निर्णय लेंगे।

बता दें कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची स्थित अपने सरकारी आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में गठबंधन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा 70 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शेष सीटों पर अन्य सहयोगी दलों के प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार आरजेडी के अलावा सीपीआई-एमएल को भी गठबंधन में शामिल किया गया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस कितने सीटों पर चुनाव लड़ेगी, इसका खुलासा अभी मुख्यमंत्री ने नहीं किया है।

भारत के भगोड़े आतंकवादियों की सूची में कनाडाई अधिकारी का नाम भी शामिल!

-भारत ने सूची टूडो सरकार को सौंपी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत-कनाडा के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। बिगड़ते संबंधों के बीच दिल्ली ने भगोड़े आतंकवादियों की सूची में कनाडाई सीमा सेवा एजेंसी के एक अधिकारी का नाम शामिल किया है। इस सूची में शामिल आतंकियों को भारत कनाडा से निर्वासित करना चाहता है। भारत ने यह सूची टूडो सरकार को सौंप दी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रतिबंधित इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन (आईएसवॉयएफ) के सदस्य और सीबीएसए में कार्यरत संदीप सिंह सिद्धू को पंजाब में आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने में उसकी संलिप्तता के लिए सूची में शामिल किया गया है। सिद्धू कथित तौर पर 2020 में बलविंदर सिंह संधू की हत्या को अंजाम देने खालिस्तानी आतंकवादी लखबीर सिंह रोडे और आईएसआई के अन्य गुर्गों के साथ संपर्क में था। संधू को खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ अपनी लड़ाई के लिए जाना जाता था। वह अलगाववादी आंदोलन में प्रतिरोध का प्रतीक बन गए थे।

संधू को उनकी बहादुरी के लिए शौर्य चक्र से भी सम्मानित किया गया था। उन्हें सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) द्वारा अमेरिका और कनाडा में खालिस्तान जनमत संग्रह का विरोध करने के लिए भी जाना जाता था। एक रिपोर्ट के मुताबिक संदीप सिंह सिद्धू को कथित तौर पर सीबीएसए में सुपरिटेंडेंट के पद पर प्रमोट किया गया था। एनआईए ने कहा कि कनाडा का खालिस्तानी गुर्गा सनी टोरंटो और पाकिस्तान का आतंकवादी लखबीर सिंह उर्फ रोडे संधू की हत्या करने के मास्टरमाइंड हैं। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चला है कि क्या सनी टोरंटो, संदीप सिंह सिद्धू का ही दूसरा नाम है।

भारत और कनाडा के संबंध इस समय सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। हाल ही में कनाडा ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में ओटावा में भारतीय उच्चायुक्त को संदिग्ध इंसान बताया था। भारत ने इन आरोपों को खारिज करते हुए अपने छह डिप्लोमेट्स को वापस बुला लिया था। कनाडा की विदेश मंत्री का कहना है कि देश में शेष बचे भारतीय राजनयिक भी नोटिस पर हैं। कनाडा की विदेश मंत्री ने कहा कि सरकार वियना संधि का उल्लंघन करने वाले या कनाडाई लोगों के जीवन को खतरे में डालने वाले किसी भी राजनयिक को बर्दाश्त नहीं करेगी।

राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी.....बीजेपी विधायक पर मामला दर्ज

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ जनसभा के दौरान कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में विजयपुरा के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल पर मामला दर्ज हुआ है। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

कांग्रेस नगर पार्षद परशुराम होसामनी की शिकायत पर मामला दर्ज किया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 15 अक्टूबर को यतनाल ने राहुल और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के खिलाफ अपमानजनक बयान दिए। शिकायत के आधार पर गांधी चौक पुलिस थाने में यतनाल के खिलाफ शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान करने और झूठी एवं भ्रामक जानकारी फैलाने का मामला दर्ज किया गया।

भाजपा ने 8 राज्यों की 25 सीटों पर उपचुनाव के लिए उम्मीदवार घोषितः वायनाड से नाव्या हरिदास, प्रियंका गांधी के खिलाफ होंगी चुनावी मैदान में

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार शाम को 8 राज्यों की 25 सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की। इसमें 24 विधानसभा सीटें और केरल की वायनाड लोकसभा सीट शामिल हैं। वायनाड सीट से भाजपा ने नाव्या हरिदास को टिकट दिया है, जहां उनका मुकाबला कांग्रेस की प्रियंका गांधी से होगा।

उल्लेखनीय है कि कुल 14 राज्यों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। इनमें केरल की वायनाड लोकसभा सीट के साथ 13 राज्यों की 47 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को मतदान होगा। वहीं, महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर 20 नवंबर को वोटिंग होगी। सभी के परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

प्रियंका गांधी का पहला लोकसभा चुनाव कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा 23 अक्टूबर को वायनाड लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल करेंगी। इस दौरान उनके भाई राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। नामांकन के बाद प्रियंका गांधी वायनाड में एक रोड शो भी करेंगी। यह प्रियंका गांधी का पहला लोकसभा चुनाव होगा।

राहुल गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में वायनाड और उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से जीत दर्ज की थी। हालांकि, उन्होंने गांधी परिवार की पारंपरिक सीट रायबरेली को चुना और वायनाड सीट को छोड़ दिया था, जिसके बाद यह सीट रिक्त हुई।

चुनाव आयोग की घोषणा चुनाव आयोग ने 15 अक्टूबर को महाराष्ट्र और झारखंड सहित 14 राज्यों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान किया। इनमें केरल की वायनाड लोकसभा सीट और अन्य विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को मतदान होगा, जबकि महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर 20 नवंबर को वोटिंग होगी। सभी सीटों के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

चमोली जिले के खानसर कस्बे में 15 मुस्लिम परिवारों को 31 दिसंबर तक शहर छोड़ने का अल्टीमेटम

देहरादून (ईएमएस)। उत्तराखंड के चमोली जिले के खानसर कस्बे में व्यापारियों के एक संगठन ने लगभग 15 मुस्लिम परिवारों को 31 दिसंबर तक शहर छोड़ने का अल्टीमेटम दिया है। बुधवार को खानसर के मैथन बाजार में 'चेतना' (जागरूकता) रैली के बाद व्यापार मंडल की बैठक के दौरान यह प्रस्ताव पारित किया गया।

मैथन सेवा समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने एक इंग्लिश समाचारपत्र को बताया, बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि ऐसे सभी परिवारों को 31 दिसंबर से पहले शहर छोड़ देना चाहिए। ऐसा न करने पर न केवल इन परिवारों के खिलाफ बल्कि उन्हें अपना घर या दुकान किराए पर देने वालों के खिलाफ भी कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मकान मालिकों पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया जाएगा।

सिंह ने कहा, इसके अलावा, खानसर घाटी के गांवों में सभी फेरीवालों के प्रवेश पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया है। व्यापार करते पकड़े गए किसी भी फेरीवाले पर 10,000 रुपये का जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अन्य शहरों में इसी तरह की घटनाओं के मद्देनजर अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों द्वारा हिंदू महिलाओं के खिलाफ किसी भी आपराधिक घटना को रोकने के लिए ये निर्णय लिए गए हैं।

सपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए चार सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की, 12 सीटों पर लड़ने की तैयारी

लखनऊ (ईएमएस)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने चार सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। महाराष्ट्र से वापस लखनऊ निकलने से पहले अखिलेश यादव ने कहा कि हम महाराष्ट्र में 12 सीटों पर लड़ेंगे। इनकी लिस्ट हमने कांग्रेस को दे दी है।

कांग्रेस के लिए अखिलेश यादव का संदेश साफ है। हरियाणा वाली गलती अब आगे और नहीं। हरियाणा में भूपेन्द्र हुड्डा की जिद के कारण समाजवादी पार्टी को सीट नहीं मिली थी। इसीलिए अखिलेश यादव ने इस बार अपना गियर बदल लिया है। यूपी के विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से 5 सीटों की डिमांड की थी। समाजवादी पार्टी की तरफ से दो सीटें छोड़ने का ऑफर है, लेकिन इस ऑफर से पहले ही अखिलेश यादव छह सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुके थे। महाराष्ट्र जाने से पहले मीरापुर सीट पर भी टिकट फाइनल कर दिया।

महाराष्ट्र दौरे के पहले दिन अखिलेश यादव ने कहा कि इस बार इंडिया गठबंधन मिल कर महाराष्ट्र में लड़ेगा और जीतेगा। दौरे के दूसरे दिन समाजवादी पार्टी ने महाराष्ट्र चुनाव के लिए चार टिकट फाइनल कर दिए। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी विधायक हैं। वे अपनी परंपरागत सीट शिवाजी नगर से चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी के दूसरे विधायक रईस शेख भिवंडी ईस्ट से चुनाव लड़ेंगे। वहीं समाजवादी पार्टी ने भिवंडी वेस्ट और मालेगांव से भी टिकट तय कर दिया है।

समाजवादी पार्टी इस बार महाराष्ट्र में कम से कम 12 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा कि हम जिन सीटों पर जीत सकते हैं, वहां उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। जिन सीटों पर हम मज़बूत हैं उन सीटों पर हमारी चुनाव लड़ने की तैयारी है।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा की 9 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं। समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के लिए गाजियाबाद और खैर सीटें छोड़ने का फैसला किया है। प्रियंका गांधी हर हाल में फूलपुर विधानसभा सीट कांग्रेस के लिए चाहती हैं। इस सीट से गांधी-नेहरू परिवार का भावनात्मक रिश्ता रहा है। हालांकि अखिलेश यादव इस बार प्रियंका की बात मानने को तैयार नहीं हैं।

हरिद्वार में मजार नुमा धार्मिक संरचना पर बुलडोजर एक्शन

हरिद्वार (ईएमएस)। उत्तराखंड के हरिद्वार के टिहरी बांध परियोजना पुनर्निवास मंडल ऋषिकेश सिंचाई विभाग की जमीन पर अवैध रूप से मजार नुमा धार्मिक संरचना बनाया गया था। इस मजार नुमा संरचना को शनिवार को डीएम के आदेश पर गिरा दिया गया। जिस वक्त मजार नुमा अवैध इमारत को गिराया, तब बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात थी। इसके साथ ही मौके पर विभाग के बड़े अधिकारी भी मौजूद थे।

अवैध मजार नुमा धार्मिक संरचना को गिराने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बुलडोजर इमारत को तोड़ रहा है। जबकि आसपास पुलिस फोर्स भी तैनात है। अवैध मजार नुमा संरचना को गिराने का आदेश डीएम हरिद्वार कर्मेन्द्र सिंह की ओर से दिया गया है। आदेश के बाद एसडीएम अजयवीर सिंह ने नेतृत्व में अवैध निर्माण पर कार्रवाई की गई है।

बीजेपी नेता के बेटे की पाकिस्तान जाना थी बारात, वीजा नहीं मिलने से ऑनलाइन हुआ निकाह

जौनपुर,(ईएमएस)। सीमा हैदर के बाद अब यूपी के जौनपुर में एक पाकिस्तानी दुल्हन आने वाली है, लेकिन इस बार ये दुल्हन बकायदा रिति रिवाजों के साथ आएगी। इंतजार है तो सिर्फ भारत की ओरे से वीजा मिलने का। यहां के एक बीजेपी नेता के बेटे की शादी पाकिस्तान मूल की युवती के साथ हुई है। इसके गवाह सैकड़ों लोग बने। जौनपुर शहर के मखदूम शाहअढ़हन निवासी तहसीन शाहिद बीजेपी के सभासद हैं। तहसीन शाहिद ने अपने बड़े बेटे मोहम्मद अब्बास हैदर की शादी पाकिस्तान के लाहौर में रहने वाली अंदलीब ज़हरा से तय की थी। शादी के लिए 18 अक्टूबर 2024 की तारीख तय हुई। तारीख तय होते ही पाकिस्तान बरात ले जाने के लिए तैयारियां शुरू हो गईं। तहसीन शाहिद ने वीजा के लिए आवेदन दिया।

दूल्हा पक्ष ने पाकिस्तान बरात ले जाने के लिए वीजा के लिए आवेदन तो कर दिया, लेकिन भारत सरकार वीजा नहीं दे रही थी। शादी का दिन नजदीक आ गया। इसी बीच दुल्हन की मां राना यास्मीन जैदी की तबीयत खराब हो गई। उनको आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। दूल्हा पक्ष भी इससे परेशान था। दुल्हन की मां आईसीयू में भर्ती हुईं तो दूल्हा पक्ष भी परेशान हो गया। ऐसी हालत में बीजेपी नेता तहसीन ने लाहौर फोन किया। इसके बाद दोनों तरफ से फैसला लिया गया कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ऑनलाइन निकाह कर लिया जाए। बाद में जब वीजा जारी होगा तो विदाई ले ली जाएगी।

ऑनलाइन शादी कराने का फैसला हुआ तो बकायदा बीजेपी नेता के घर से बारात निकली। घोड़े और रोड लाइट की व्यवस्था की गई। देर रात इमामबाड़ा कल्लू मरहूम में बारात पहुंची और यहां उसकी खातिरदारी भी की गई। तहसीन अपने साथ सैकड़ों बारातियों लेकर पहुंचे। ऑनलाइन निकाह की सारी तैयारियां की गई थीं। बड़ी टीवी स्क्रीन पर सभी के सामने निकाह करवाया जाना था। इसके बाद स्क्रीन पर एक तरफ दूल्हे का परिवार और दूसरी तरफ दुल्हन का परिवार दिखाई दे रहा था। इस निकाह को कराने के लिए दूल्हा पक्ष से मौलाना महफूजुल हसन खान शामिल हुए। उन्होंने दुल्हन से ऑनलाइन निकाह की इजाजत ली। इसके बाद दोनों का निकाह पढ़ा गया। निकाह होने के बाद दूल्हा मोहम्मद अब्बास हैदर और तहसीन शाहिद ने पीएम मोदी से अपील की है। कि जल्द अंदलीब ज़हरा को वीजा दिलवाया जाए, जिससे वह अपने ससुराल भारत आ सके।

जन हितैषी

शेर आया... जैसी बम की फर्जी धमकियां एक गंभीर समस्या

बचपन में हम झूठे गड़रिये की कहानी शेर आया शेर आया शीर्षक से स्कूल में सुनी और पढ़ी थी। इस कहानी के केंद्र में झूठा गड़रिया था जो गांव वालों का ध्यान आकर्षित करने के लिए शेर आने की झूठी अफवाहें फैलाता था, लेकिन जब वाकई शेर आ गया तो उसकी बात पर किसी को यकीन नहीं हुआ और इस तरह उस झूठे गड़रिये की कहानी का अंत हो गया। यह शिक्षाप्रद कहानी झूठ नहीं बोलने या अफवाह फैलाने से बचने के लिए सबक देती है। इस कहानी की याद इस वक्त इसलिए आ गई कि देश में बम की फर्जी धमकियों के मामलों ने एक रिकॉर्ड बना लिया है। स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, रेल और सरकारी दफ्तरों में बम होने की झूठी अफवाहें फैलाने वाले अब एयरलाइंस को अपने निशाने में ले रखे हैं। इस साल विभिन्न भारतीय एयरलाइंस की फ्लाइट्स को अभी तक करीब 400 से ज्यादा धमकियां मिल चुकी हैं। इसे लेकर सुरक्षा एजेंसियां कह रही हैं कि इससे पहले तक तो इस तरह के धमकी भरे कॉल इतनी तादाद में कभी नहीं मिले। यह भी अपने आप में एक रिकॉर्ड बनाने जैसा हो गया है। पर इससे क्या, क्योंकि एक बम की फर्जी धमकी भी बहुत ज्यादा नुकसान करने वाली साबित होती है। बम की एक फर्जी धमकी से जहां एयरलाइंस को करीब 3 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ता है, वहीं यात्रियों को होने वाली परेशानियों का तो आंकलन भी नहीं किया जा सकता है। इस लिहाज से बम की फर्जी कॉल्स एक बेहद गंभीर और खतरनाक समस्या बन गई है। यह न केवल सुरक्षा बलों और प्रशासन के लिए चुनौती उत्पन्न कर रही है, बल्कि व्यापारिक व सामाजिक सामान्य कामकाज को भी बाधित कर रही है। इस प्रकार के धमकीभरे कॉल व संदेश के कारण कई बार सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों, ऑफिसों, और यहां तक कि ट्रेनों व रेलवे स्टेशनों समेत हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मच जाती है। ऐसी स्थितियां ना केवल जान-माल के नुकसान की संभावनाओं को जन्म देती हैं, बल्कि अनावश्यक तनाव और भय का माहौल भी पैदा करती हैं।

सामान्य सी बात है कि जब कहीं बम होने की फर्जी सूचना होती है, तो पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आती हैं। बम स्क्वॉड और सुरक्षा दल उस स्थान को खाली करवाते हैं और गहन जांच शुरू की जाती है। इस प्रक्रिया में समय, संसाधन और मानवशक्ति की भारी बर्बादी होती है। वास्तविक आपात स्थितियों के लिए तैनात किए जाने वाले बलों का भी एक तरह से दुरुपयोग होता है। ऐसे में अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है। सबसे बड़ी और अहम बात यह है कि ऐसी घटनाओं से समाज में सुरक्षा को लेकर अविश्वास और अनिश्चितता की भावना को बढ़ावा मिलता है। स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में तो इस तरह के फर्जी कॉल का प्रभाव विशेष रूप से गंभीर देखने को मिलते हैं। पढ़ाई रोक कर बच्चों और शिक्षकों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जाना, माता-पिता व अन्य परिजनों का तनावग्रस्त हो जाना। यह सब भी असुरक्षा की भावना भरने जैसी बात होती है। ऐसे हालात से गुजरने वाले मानसिक तनाव का शिकार होते हैं, जिनकी मनःस्थिति भी विकट हो जाती है। इसलिए इस तरह की धमकियों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

विमान में बम की झूठी धमकी से जो परेशानियां होती हैं, उसमें करोड़ों का खर्च हो जाता है। धमकी झूठी होने के बावजूद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, फिर पूरे विमान और यात्रियों को जांच प्रक्रिया से गुजारना, इसके बाद विमान को सेवा में वापस लाने के लिए ऑपरेटिंग क्रू को भी नई जोड़ी की व्यवस्था करना कम चिंता की बात नहीं है। एयरलाइंस अधिकारियों की मानें तो ऑपरेटिंग क्रू, फ्लाइट के जेएफके एयरपोर्ट तक नहीं पहुंचने से यात्रियों को परेशानी होती है। इसी दौरान कोई यदि बीमार है या बीमार हो जाए तो एक अलग तरह की समस्या उत्पन्न हो जाती है। कहते हैं कि पिछले हफ्ते से तो मानों बम की फर्जी धमकियों की बाढ़ सी आ गई है। गुरुवार देर रात तक करीब 40 बम की झूठी धमकियां मिली हैं, जिससे एयरलाइंस को भारी वित्तीय घाटा उठाना पड़ा है। ऐसा नहीं है कि सरकार और सुरक्षा एजेंसियां इस दिशा में कुछ नहीं कर रही हैं, लेकिन जो हुआ है अब तो वो नाकाफी साबित हुआ है। यह सच है कि सरकार व सुरक्षा एजेंसियों ने बम की फर्जी कॉलों के प्रति कठोर कदम उठाए हैं। इस तरह के फर्जी कॉल करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाती है, लेकिन मामले कम होने की बजाया और बढ़ते जा रहे हैं, जिससे यह संदेश जा रहा है कि फर्जी धमकी देने वालों का रोकने में कहीं न कहीं हम सभी से चूक हो रही है। कई दफा तो शरारती तत्व या असंतुष्ट व्यक्ति व नाबालिग भी सभी का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसी कॉल कर देते हैं। इन्हें भी सबक देने और ऐसा नहीं करने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है। इसके लिए समाज को भी जागरूक होने की आवश्यकता है। ऐसे में सभी को बताना होगा कि इस तरह की गतिविधियों में शामिल होना न केवल अपराध है, बल्कि यह समाज के लिए भी हानिकारक है। शेर आया शेर आया जैसी झूठी अफवाहों से बाहर निकलने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को सही जानकारी उपलब्ध कराना भी एक सहयोगी कदम हो सकता है।

समाज के लिए खतरा बनता अपराधियों का महिमामंडन

किसी हिन्दी फ़िल्म की तरह महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री कई बार के विधायक अभिनेता सलमान खान के क़रीबी नेता बाबा सिद्दीकी की निर्मम हत्या कर दी गई। किसी पूर्व मंत्री की हत्या हो जाना, कानून व्यवस्था की पोल तो खोल ही रहा है साथ ही तमाम तरह के सवाल भी उठ रहे हैं। वहीं सोशल मीडिया से लेकर मेन स्ट्रीम मीडिया में बाबा सिद्दीकी की हत्या करने की जिम्मेदारी लेने वाले वाले गैंग एवं लॉरेंस बिश्नोई का महिमामंडन भी चल रहा है, जो बेहद ख़तरनाक है। किसी भी समाज एवं समुदाय के लिए हिंसा खतरनाक है, वहीँ इस तरह से अपराधियों का महिमामंडन करना हमारे समाज के युवाओं को भ्रमित कर सकता है। युवावस्था यूँ भी बहुत पेचीदगियों से भरी होती है। इस उम्र में हिंसा युवाओं को आकर्षित करती है। अतः मीडिया एवं हमारे समाज का उत्तरदायित्व हो जाता है कि समाज को एक शांति की राह पर ले जाया जाए। मेनस्ट्रीम मीडिया को विश्नोई समाज से सीखना चाहिए, जब पूरी मीडिया लॉरेंस बिश्नोई को हीरो बनाने पर तुली हुई है, तब विश्नोई समाज के अध्यक्ष ने अपने समाज की तरफ़ से बात रखी साथ ही लॉरेंस बिश्नोई को हीरो बनाने वाली सोच की निंदा भी की।

विश्नोई समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बिश्नोई का कहना है -

- विश्नोई समाज किसी भी अपराध का समर्थन नहीं करता है। अगर लॉरेंस बिश्नोई ने बाबा सिद्दीकी की मौत की जिम्मेदारी ली है तो वो गलत है। हमारे समाज का इससे कोई लेना-देना नहीं है। हमारा समाज पेड़ों के लिए कुर्बानी दे सकता है, तो इंसान की हत्या का समर्थन कैसे करेगा ? हमारे समाज का इससे कोई ताल्लुक नहीं है। हर समाज में ऐसे अपराधी होते हैं और सलमान खान के साथ-साथ लॉरेंस बिश्नोई भी अपराधी है। काले हिरण शिकार मामले में सलमान खान का माफी मांगना और नहीं मांगना यह उनका विषय है और वो मामला कोर्ट में है अतः उसका फैसला कोर्ट करेगा लेकिन हत्या के समर्थन में हम नहीं है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के छह दिन बाद सलमान खान को पुनः जान से मारने की धमकी मिली है, मुंबई ट्रैफिक पुलिस को सलमान खान के नाम का धमकी भरा मैसेज मिला है। मैसेज भेजने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी बताया है। मैसेज में ये भी लिखा है कि इसको हल्के में ना लें, वरना सलमान खान का हाल बाबा सिद्दीकी से भी बुरा होगा। देश की कानून व्यवस्था बहुत ही लाचार दिख रही है, यहां कोई भी किसी का मर्डर कर रहा है, कोई भी किसी को धमकी दे रहा है, ये आज के दौर के सबसे ख़राब बात है। रात - दिन मीडिया में ऐसी मानसिकता का महिमामंडन करना बेहद घिनौना है। हो सकता है इससे कुछ दिनों के लिए टीआरपी मिल जाएगी लेकिन इसके दूरगामी प्रभाव बहुत बुरे होने वाले हैं। मुंबई पुलिस पर भी कई तरह के सवाल उठ रहे हैं क्या कोई जेल में बैठकर मुंबई में किसी को भी मरवा सकता है? मुंबई पुलिस निगरानी के नाम पर क्या कर रही है? इस हत्याकांड को लेकर आरोपों के घेरे में जिस तरह के लोग आ रहे हैं, उससे यह भी जाहिर हुआ है कि जेल में बंद कोई अपराधी कैसे आपराधिक साजिशों को आसानी से अंजाम दे लेता है और पुलिस लाचार होकर देखती रहती है। बाबा सिद्दीकी अजीत पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के ऐसे नेता थे, जिनकी राज्य की राजनीति और फिल्म उद्योग में खासी पकड़ और पैठ थी। जब इतने ऊंचे कद के नेता की सरेआम हत्या करने में अपराधियों को कोई खास बाधा पेश नहीं आई, तो आम लोग किस आधार पर खुद को सुरक्षित मानें। पकड़े गए आरोपियों के जरिए सामने आ सके ब्योरे यह बताने के लिए काफी हैं कि वारदात को अंजाम देते हुए उनके भीतर पुलिस और कानूनी कार्रवाई का कोई खौफ नहीं था। इससे सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि मुंबई पुलिस की कुशलता पर भी सवाल उठे हैं।

सलमान खान का परिवार काफ़ी चिंतित है, जो मजबूत होने की कोशिश कर रहा है लेकिन ऐसे वक़्त आसान नहीं होता। उनके परिवार ने बाबा सिद्दीकी पर हमले ने एक नया शक पैदा किया है, जिनका सलमान खान या उनके परिवार से कोई सीधा संबंध नहीं था। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने बाबा सिद्दीकी की हत्या का श्रेय लिया है। लेकिन उनका मानना है कि सलमान खान के खिलाफ ताजा धमकियां एक गहरी और अधिक बड़ी साजिश को छिपाने की एक चाल हो सकती हैं।'क्या किसी के लिए जेल से काम करना वाकई इतना आसान है? और कोई सलमान को डराने के लिए बाबा सिद्दीकी पर हमला क्यों करेगा? यह सब बहुत ही संदिग्ध लगता है। ' मामला इतना आसान नहीं है जितना बनाया जा रहा है।

सबसे अफसोसनाक है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर योगेश ने कहा कि मुझे बदायूं से अरेस्ट किया गया था। मेरे टांग में गोली लगी है। मैं आसिफ बाबा गैंग में हूं। उस गैंग को भी लॉरेंस बिश्नोई ही चलाते हैं। मैं गरीब हूं। मुझे सताया गया और मुझ पर मुकदमे लगाए गए हैं। सलमान केस में कुछ लोग बीच में आ गए तो कुछ न कुछ तो होगा ही। बाबा सिद्दीकी कोई सही आदमी थोड़ा था, उस पर मकोका के केस लगे थे। आम आदमी पर मकोका थोड़े ही लगता है? दाऊद इब्राहिम से भी उसके संबंध थे। एक शूटर इतने बड़े - बड़े खुलासे कर रहा है, जो खुद को बहुत गरीब भी बता रहा है इससे पता चलता है कि कैसे युवाओं को पथभ्रष्ट किया जा रहा है। हमे अपने समाज को अपराधीकरण से बचाने के लिए हिंसा, अहिंसा का भेद करना होगा। वैसे भी बेरोजगार, असंतुष्ट युवाओं को अपनी सोच के साथ बहा ले जाना आपराधिक प्रवृत्ति के लिए आसान होता है। इससे पहले हमारे युवाओं की दिशा विपरीत हो जाए हमें आपराधिक मानसिकता का महिमामंडन करने से बाज आना होगा। (लेखक - दिलीप कुमार पाठक / ईएमएस)

(लेखक /पत्रकार)

जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला सरकार की राहें बड़ी कठिन

धारा 370 खत्म होने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है, उमर अब्दुल्ला केंद्र शासित बने जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री होंगे. हालांकि, उमर अब्दुल्ला के लिए राह उतनी आसान नहीं होगी, क्योंकि अनुच्छेद 370 हटने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर का पावर गेम बहुत बदल गया है.. और जम्मू - कश्मीर की राजनीति के लिए यह सबसे अहम पहलू है. उमर अब्दुल्ला पहले भी जनवरी 2009 से जनवरी 2014 तक जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं. उन्हें मुख्यमंत्री होने का तजुर्बा भी है, लेकिन तब और अब में बहुत फर्क है. उमर अब्दुल्ला को एक स्वतंत्र राज्य का सीएम होने का अनुभव है, लेकिन केंद्र शासित प्रदेश का सीएम होने का तजुर्बा नहीं है. जब उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री हुआ करते थे तब जम्मू-कश्मीर पूर्ण राज्य हुआ करता था और अब ये केंद्र शासित प्रदेश है. तब जम्मू-कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल 6 साल का था, अब बाकी राज्यों की तरह ही 5 साल होगा. तब राज्य से जुड़े फैसले लेने की सारी शक्तियां विधानसभा और मुख्यमंत्री के पास होती थीं, सारे के सारे कानून बनाने की शक्तियां सीएम के पास होती थीं, लेकिन अब काफी हद तक सारी कंट्रोल उपराज्यपाल के हाथ में होगा. और प्रमुख बात सारा का सारा कंट्रोल केंद्र सरकार के पास होगा, जो उमर अब्दुल्ला के लिए परेशानी का सबब बनने वाला है. मोदी सरकार का स्वभाव वैसे भी राज्यों में दखल देने का रहा है. जम्मू - कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वायदा करने वाली मोदी सरकार ने आजतक बहाल नहीं किया है, जबकि यह निर्णय केंद्र सरकार के अधीन होता है. देखना दिलचस्प होने वाला है कि मोदी सरकार पूर्ण राज्य का दर्जा देती है या लटकाए रहती है, क्योंकि जम्मू - कश्मीर में हालात कैसे रहेंगे इस नव गठित सरकर के हाथ में भी रहने वाला है.

2019 में धारा 370 खत्म होने के बाद अब जब जम्मू-कश्मीर की स्थिति काफी बदल चुकी है, लेकिन यह भी तय है कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार और उपराज्यपाल के बीच तनातनी होती रहती है, उसी तरह की तनातनी जम्मू-कश्मीर में भी देखने को मिल सकती है. तभी तो कुछ दिन पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजनीतिक कटाक्ष किया था अगर हाफ स्टेट में सरकार चलाने में दिक्कत आए तो उमर अब्दुल्ला मुझसे सलाह ले सकते हैं. क्योंकि अरविंद केजरीवाल पिछले दस सालों से केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं, सीएम केजरीवाल के कटाक्ष के मायने इसलिए भी हैं क्योंकि कोर्ट से कुछ शक्तियां मुख्यमंत्री को मिली थीं, लेकिन मोदी सरकार उसके विरुद्ध अध्यादेश ले आई थी.

ऐसे ही 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक संरचना भी पूरी तरह से बदल गई है और अब वहां सरकार से ज्यादा बड़ी भूमिका उपराज्यपाल की हो गई है. 2019 का कानून कहता है कि पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर जम्मू-कश्मीर विधानसभा बाकी सभी मामलों पर कानून बना सकती है. लेकिन एक पेच भी है. अगर राज्य सरकार राज्य सूची में शामिल किसी विषय पर कानून बनाती है तो उसे इस बात का ध्यान रखना होगा कि इससे केंद्रीय कानून पर कोई असर न पड़े. इसके अलावा, इस कानून में ये भी प्रावधान किया गया है कि कोई भी बिल या संशोधन विधानसभा में तब तक पेश नहीं किया जाएगा, जब तक उपराज्यपाल ने उसे मंजूरी न दे दी हो. अब जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल ही एक तरह से सबकुछ है. सरकार को भले ही पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर बाकी मामलों में कानून बनाने का अधिकार है, लेकिन उसके लिए उपराज्यपाल की मंजूरी जरूरी होगी. इतना ही नहीं, उपराज्यपाल का नौकरशाही और एंटी-करप्शन ब्यूरो पर भी नियंत्रण होगा. इसका मतलब हुआ कि उपराज्यपाल सरकारी अफसरों का ट्रांसफर और पोस्टिंग उपराज्यपाल की मंजूरी से होगा. इसके अलावा, उपराज्यपाल के किसी भी काम की वैधता पर इस आधार पर सवाल नहीं उठाया जा सकता कि उन्हें ऐसा करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए था या उन्होंने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया था. उनके किसी फैसले को अदालत में इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती कि उन्होंने फैसला लेते वक्त मंत्री परिषद की सलाह ली थी या नहीं ली थी. अतः बदल चुके जम्मू - कश्मीर के मुख्यमंत्री की राहें आसान नहीं रहने वाली..

कांग्रेस की राजनीतिक चाल ने कश्मीर की नई सरकार के लिए चिंता की लकीरें खींच दी हैं. कांग्रेस ने उमर अब्दुल्ला सरकार को समर्थन तो दिया है लेकिन समर्थन बाहर से दिया है, बाहर से समर्थन देने का मतलब है कि कांग्रेस मंत्रिमण्डल में शामिल नहीं होगी. उमर अब्दुल्ला सरकार के शपथग्रहण में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित दिग्गज नेता राहुल गांधी - प्रियंका गांधी भी शामिल हुए हैं, लेकिन पार्टी ने अपने कोटे से सरकार में किसी को भी मंत्री नहीं बनवाया है. कांग्रेस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इसकी कई वजहें हो सकती है.

जम्मू कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने के बावजूद कांग्रेस उमर अब्दुल्ला की सरकार में शामिल नहीं हुई है. कांग्रेस की तरफ से अब्दुल्ला कैबिनेट में कोई भी मंत्री नहीं बना है. वो भी तब, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी खुद श्रीनगर जाकर सरकार के शपथग्रहण में शामिल हुए हैं.कांग्रेस के इस फैसले की अब चर्चा हो रही है कि आखिर पार्टी ने उमर कैबिनेट में अपने कोटे से मंत्री क्यों नहीं दिए? कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक इसकी 4 बड़ी वजहें हैं- जम्मू कश्मीर के चुनावी इतिहास में पहली बार कांग्रेस का प्रदर्शन काफी खराब है. पार्टी 6 सीटों पर सिमट गई है. ऐसे में कहा जा रहा है कि कांग्रेस हाईकमान ने पार्टी के किसी विधायक को कैबिनेट में न शामिल कर स्थानीय नेताओं को जमीन पर मेहनत करने का संदेश दिया है. जम्मू कश्मीर में कांग्रेस कोटे से एक भी हिंदू विधायक नहीं जीता है. ऐसे में पार्टी के सियासी समीकरण सध नहीं रहे थे. कश्मीर का मुस्लिम वोटबैंक पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के पक्ष में रहा है. उमर अब्दुल्ला और उनकी पार्टी 370 को वापस लाने के पक्ष में है. कांग्रेस स्टेटहुड की सिर्फ मांग कर रही है. सरकार में पार्टी अगर शामिल होती तो अन्य राज्यों में उसके लिए सियासी बैकफायर कर जाता, इसलिए भी पार्टी ने सरकार में शामिल न होने का फैसला किया है नेशनल कॉन्फ्रेंस कांग्रेस के 1-2 मंत्री पद देना चाह रही थी. कांग्रेस के दिल्ली में बैठे नेता सांकेतिक भागीदारी नहीं चाहते थे. 6 विधायक जीते, इनमें 3 दिग्गज कांग्रेस की तरफ से इस बार जम्मू-कश्मीर में 6 विधायकों ने जीत हासिल की है. इनमें पीरजादा मोहम्मद सईद, तारिक हामिद कर्रा, गुलाम अहमद मीर जैसे दिग्गज का नाम शामिल हैं. कर्रा घाटी में कांग्रेस के अध्यक्ष हैं. कांग्रेस ने गुलाम अहमद मीर को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना है.कांग्रेस ने घाटी में 37 उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन जम्मू और चिनाब रीजन में पार्टी पूरी तरह साफ हो गई. अतः काँग्रेस रणनीति है कि इतना औसत प्रदर्शन के बावजूद नेताओं को मंत्री पद मिलना मतलब जमीन से दूर कर सकता है, इंडिया गठबंधन का धर्म निभाने के नाम पर कांग्रेस उमर अब्दुल्ला को समर्थन तो दे रही है, लेकिन सरकार में शामिल नहीं होना चाहती यह हैरान करने वाला है... बदल चुके जम्मू - कश्मीर के नए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की राहें आसान नहीं रहने वाली हैं. (लेखक-दिलीप कुमार पाठक/ ईएमएस)

आज का इतिहास 20 अक्टूबर

1587 ह्युग्नो ने कोल्ट्रास (फ्रांस) में कैथोलिक लीग को पराजित किया।
1782 कोपेनहेगन शहर आग से तबाह हो गया।
1805 फ्रांसीसी सैनिकों ने उल्म की लड़ाई में आस्ट्रिया को शिकस्त दी।
1883 पेरू ने एक संधि के तहत अपना कुछ क्षेत्र चिली को दे दिया।
1905 रूस में आम हड़ताल हुई।
1921 फ्रांस और तुर्की में संधि हुई।
1945 अरब लीग का गठन हुआ।
1952 केन्या में आपात स्थिति की घोषणा की गयी।
1960 जैकलिन केनेडी और एसिरस्टाटल ओनासिस का निधन दुर्घटना में हुआ।
1962 भारत पर चीन ने हमला किया।
1977 थाईलैंड में सेना ने सत्ता पर कब्जा किया।
1986 मोजाबिक के राष्ट्रपति समीरा माइकल का निधन विमान दुर्घटना में हुआ।
1989 हंगरी की संसद ने कम्युनिस्ट पार्टी की वर्कर्स मिलिशिया पर प्रतिबंध लगा दिया गया।
1992 जापान नरेश अकीहितो चीन यात्रा पर गए।

करवाचौथ सुहागिनों द्वारा पति की रक्षा का महापर्व!

महिलाएं प्रतिवर्ष अपने पति की लंबी उम्र, स्वास्थ्य और सुखद जीवन और उनकी जीवन रक्षा के लिए करवाचौथ का व्रत करती हैं। यह उपवास निर्जला होता है। इस दिन महिलाएं एक-दूसरे के घर जाकर एकत्रित होती हैं। करवा चौथ पर सुहागिन महिलाएं सूर्योदय से पूर्व व्रत का आरंभ करती हैं और रात को चांद के निकलने पर पूजा-अर्चना करते हुए उपवास समाप्त करती हैं।इस वर्ष यह व्रत 20 अक्तूबर को मनाया जा रहा।करवा चौथ के दिन चंद्रोदय 20 अक्टूबर को शाम 7 बजकर 55 मिनट पर होगा।इस साल कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि का आरंभ 20 अक्टूबर 2024 को सुबह 6 बजकर 46 मिनट से होगा, जो अगले दिन 21 अक्टूबर 2024 को सुबह 4 बजकर 16 मिनट पर समाप्त हो जाएगी।चतुर्थी तिथि 20 अक्टूबर सुबह 06 बजकर 46 मिनट से शुरू होगी और 21 अक्टूबर को सुबह 04 बजकर 16 मिनट पर समापन होगा।

सुहागिन महिलाएं करवा चौथ पर निर्जला व्रत रखते हुए शाम को शुभ मुहूर्त में करवा माता की पूजा और कथा सुनती हैं, फिर रात को चंद्रमा के निकलने पर अर्घ्य देकर व्रत खोलती हैं।करवा चौथ के दिन सुबह स्नान आदि करें इसके बाद उपवास संकल्प लें। मम सुखसौभाग्य पुत्रपौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये। इस मंत्र को बोलकर संकल्प लें।यह संकल्प लेकर पूरे दिन निर्जला रहकर व्रत किया जाता है।इस दिन सुहागिन महिलाएं निर्जला उपवास रख चंद्रमा की पूजा करती हैं। इसके साथ ही करवा चौथ पर भगवान शिव, मां पार्वती, गणेश और कार्तिकेय जी के अलावा करवा माता की पूजा का भी विधान है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, करवा चौथ का व्रत रखने और विधि-विधान के साथ पूजा करने से दांपत्य जीवन में मधुरता आती है और पति-पत्नी का रिश्त अटूट होता है। इसके अलावा पति की लंबी आयु के लिए भी करवा चौथ का व्रत रखा जाता है।

इसके बाद गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा चित्रित करें। इसे वर कहते हैं।इसके बाद आठ पूरियों का अठावरी बनाएं। साथ में कुछ मीठा और पकवान बनाएं

इसके बाद पीली मिट्टी से गौरी माता की प्रतिमा बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिठाएं।गौरी की लकड़ी के आसन पर बिठाएं। चौक बनाकर आसन को उसपर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग आदि सामग्री माता पार्वती को अर्पित करें।पूजा के समय जल से भरा एक लोटा रखें।बायना देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूं और ढक्कन में शक्कर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें।रोली से करवे पर स्वास्तिक बनाएं। माता गौरी भगवान गणेश और करवा माता की विधिवत पूजा करें।करवे पर 12 बिंदी रखें और गेहूं चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें। कथा सुनने के बाद करवा पर हाथ से पानी घूमाकर अपनी सासुजी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दे दें।रात में चंद्रमा निकलने के बाद चंद्रमा को अर्घ्य दें। इसके बाद पति से आशीर्वाद प्राप्त करे।

करवाचौथ का उपवास सूर्योदय से पहले शुरू होता है जिसे चांद निकलने तक रखा जाता है।इस उपवास में सांस अपनी बहू को सरगी देती है।इस सरगी को लेकर बहुएं अपने व्रत की शुरुआत करती हैं।

इस व्रत में शाम के समय शुभ मुहूर्त में चांद निकलने से पहले पूरे शिव परिवार की पूजा की जाती है।चांद निकलने के बाद महिलाएं चंद्रमा को अर्घ्य देती हैं और अपने पति के हाथ से पानी पीकर व्रत खोलती हैं। करवाचौथ पर सुबह सूर्योदय से पहले उठ जाएं। सरगी के रूप में मिला हुआ भोजन करें पानी पीएं और भगवान की पूजा करके निर्जला व्रत का संकल्प लें।करवाचौथ में महिलाएं पूरे दिन जल-अन्न कुछ ग्रहण नहीं करतीं फिर शाम के समय चांद को देखने के बाद दर्शन कर व्रत खोलती हैं।करवाचौथ की एक कथा भी है, एक साहूकार के सात बेटे और उनकी एक बहन करवा थी। सभी सातों भाई अपनी बहन से बहुत प्यार करते थे। यहां तक कि वे पहले उसे खाना खिलाते और बाद में स्वयं खाते थे। एक बार उनकी बहन ससुराल से मायके आई हुई थी।

शाम को भाई जब अपना व्यापार-व्यवसाय बंद कर घर आए तो देखा उनकी बहन बहुत व्याकुल थी। सभी भाई खाना खाने बैठे और अपनी बहन से भी खाने का आग्रह करने लगे, लेकिन बहन ने बताया कि उसका आज करवा चौथ का निर्जल व्रत है और वह खाना सिर्फ चंद्रमा को देखकर उसे अर्घ्य देकर ही खा सकती है। चूंकि चंद्रमा अभी तक नहीं निकला है, इसलिए वह भूख-प्यास से व्याकुल हो उठी है।सबसे छोटे भाई को अपनी बहन की हालत देखी नहीं जाती और वह दूर पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख देता है। दूर से देखने पर वह ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चतुर्थी का चांद उदित हो रहा हो।इसके बाद भाई अपनी बहन को बताता है कि चांद निकल आया है, तुम उसे अर्घ्य देने के बाद भोजन कर सकती हो। बहन खुशी के मारे सीढ़ियों पर चढ़कर चांद को देखती है, उसे अर्घ्य देकर खाना खाने बैठ जाती है।वह पहला टुकड़ा मुंह में डालती है तो उसे छींक आ जाती है। दूसरा टुकड़ा डालती है तो उसमें बाल निकल आता है और जैसे ही तीसरा टुकड़ा मुंह में डालने की कोशिश करती है तो उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिलता है। वह बौखला जाती है।

उसकी भाभी उसे सच्चाई से अवगत कराती है कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ। करवा चौथ का व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज हो गए हैं और उन्होंने ऐसा किया है।

सच्चाई जानने के बाद करवा निश्चय करती है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार नहीं होने देगी और अपने सतीत्व से उन्हें पुनर्जीवन दिलाकर रहेगी। वह पूरे एक साल तक अपने पति के शव के पास बैठी रहती है। उसकी देखभाल करती है। उसके ऊपर उगने वाली सूईनुमा घास को वह एकत्रित करती जाती है।एक साल बाद फिर करवा चौथ का दिन आता है। उसकी सभी भाभियां करवा चौथ का व्रत रखती हैं। जब भाभियां उससे आशीर्वाद लेने आती हैं तो वह प्रत्येक भाभी से यम सूई ले लो, पिय सूई दे दो, मुझे भी अपनी जैसी सुहागिन बना दो ऐसा आग्रह करती है, लेकिन हर बार भाभी उसे अगली भाभी से आग्रह करने का कह चली जाती है।

इस प्रकार जब छठे नंबर की भाभी आती है तो करवा उससे भी यही बात दोहराती है। यह भाभी उसे बताती है कि चूंकि सबसे छोटे भाई की वजह से उसका व्रत टूटा था अतः उसकी पत्नी में ही शक्ति है कि वह तुम्हारे पति को दोबारा जीवित कर सकती है, इसलिए जब वह आए तो तुम उसे पकड़ लेना और जब तक वह तुम्हारे पति को जिंदा न कर दे, उसे नहीं छोड़ना। ऐसा कह कर वह चली जाती है।

सबसे अंत में छोटी भाभी आती है। करवा उनसे भी सुहागिन बनने का आग्रह करती है, लेकिन वह टालमटोली करने लगती है। इसे देख करवा उन्हें जोर से पकड़ लेती है और अपने सुहाग को जिंदा करने के लिए कहती है। भाभी उससे छुड़ाने के लिए नोचती है, खसोटती है, लेकिन करवा नहीं छोड़ती है।

अंत में उसकी तपस्या को देख भाभी पसीज जाती है और अपनी छोटी अंगुली को चीरकर उसमें से अमृत उसके पति के मुंह में डाल देती है। करवा का पति तुरंत श्रीगणेश-श्रीगणेश कहता हुआ उठ बैठता है। इस प्रकार प्रभु कृपा से उसकी छोटी भाभी के माध्यम से करवा को अपना सुहाग वापस मिल जाता है।कुंवारी लड़कियां करवा चौथ का व्रत एक अच्छे वर की तलाश में रखती है। जहां सुहागिन इस व्रत में चंद्रमा की पूजा करती है तो वहीं, कुंवारी लड़कियां तारों को पूजती हैं। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8163

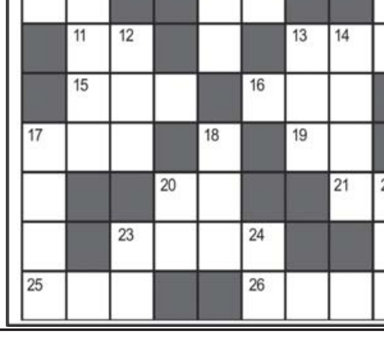

बाएँ से दाएँ

1. ओस की बूंदे (उर्दू-4)
3. आसमान, गगन-3
5. निम्न, जो स्तरीय न हो-4
8. रात्रि, निशा-2
10. सिलना, छाती
11. नश, नाड़ी-2
13. एक समाज सुधारक जिनके दोहे काफी प्रसिद्ध हैं-2
15. इसे आंखों में लगाते हैं-3
16. प्रभाव-3
17. समीप, पास, नजदीक-3
19. भगवान, खुदा-2
20. जानवर इसे खाते हैं-2
21. होठ, अधर-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. प्रकार-3
26. बेबस, लाचार-4

ऊपर से नीचे

1. चिंगारी, अंगारा-3
2. मस्ती में चूर-2
3. इज्जत, साख-2
4. तलवार (उर्दू-4)
6. रसदार, रस से भरा-3
7. मेहंदी, ऋषि कपूर की फिल्म-2
9. सब्जी, भाजी-4
13. कमी-3
14. अकबर के एक हिंदू सलाहकार-4
17. अचरज भरा कार्य-4
18. वायुसेना के एक विमान का नाम-3
20. चाहत, प्रेम-2
22. ऋतुराज, मौज-मस्ती-3
23. रास्ता, डगर-2
24. एक पेड़ जिसकी टहनी से दातुन करते हैं-3

शब्द पहेली -8162 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सम्पादकीय

खेल - समाचार

क्रिकेट जगत की ये त्रिमूर्ति इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का नियमों और संचालन को देखेगी

मुंबई (ईएमएस)। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) ने अपनी गवर्निंग काउंसिल के गठन की घोषणा कर दी है, इसमें तीन महान क्रिकेट खिलाड़ी और मास्टर्स शामिल होने हैं। लीग कमिश्नर सुनील गावस्कर, सर विवियन रिचड्र्स और शॉन पोलक। यह त्रिमूर्ति आईएमएल की रणनीतिक दिशा, नियमों और संचालन की देखरेख करेगी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि लीग खेल प्रेमियों के लिए एक प्रमुख मंच बनी रहे, जहां खेल की विरासत और मनोरंजन का संगम हो, और दुनिया भर के प्रशंसकों को दिग्गजों के खेल का अद्वितीय रोमांच मिल सके।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का उद्घाटन संस्करण 17 नवंबर से 8 दिसंबर 2024 तक आयोजित होगा है। नवी मुंबई के डी. वाई. पाटिल स्टेडियम में उद्घाटन मैच खेला जाएगा। इसके अलावा लखनऊ और रायपुर में भी मैच आयोजित होने है। समापन मैच की मेजबानी रायपुर करेगा।

भारतीय क्रिकेट के महानतम खिलाड़ियों में से एक गावस्कर अपनी उत्कृष्ट क्रिकेट समझ और खेल की शुचिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा, गवर्निंग काउंसिल के सदस्य के रूप में हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होगा कि इंटरनेशनल मास्टर्स लीग क्रिकेट की भावना के प्रति सच्ची रहे, जबकि दुनिया भर के प्रशंसकों को मनोरंजन प्रदान करे। आईएमएल न केवल खेल के दिग्गजों को सम्मान देने का मंच है, बल्कि उन प्रशंसकों के लिए भी एक उत्सव है, जो आज भी अपने नायकों का सम्मान करते हैं।''

वहीं रिचड्र्स, जो क्रिकेट इतिहास के सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं, 1970 और 1980 के दशक में वेस्टइंडीज टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा थे, जिसने उस समय क्रिकेट जगत पर अपना दबदबा कायम रखा। इतना ही नहीं सर विवियन रिचड्र्स की कप्तानी में वेस्टइंडीज ने एक भी टेस्ट सीरीज नहीं हारी। आईएमएल की गवर्निंग काउंसिल में शामिल होने पर रिचड्र्स ने कहा, ''आईएमएल एक अद्भुत मंच है, जहां खेल के पूर्व दिग्गजों को फिर से एक्शन में देखने का अनोखा रोमांच खेल प्रशंसकों को मिलेगा। मैं गवर्निंग काउंसिल का हिस्सा बनकर और इस नवाचारी लीग को सफल बनाने में मदद करने के लिए उत्साहित हूं।''

शॉन पोलक, पूर्व दक्षिण अफ्रीकी कप्तान और सर्वकालिक सफल ऑलराउंडर्स में से एक, आईएमएल गवर्निंग काउंसिल के सदस्य के रूप में अपने अनुभव और बहुमुखी प्रतिभा को सामने लाएंगे। उन्होंने कहा, ''क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के साथ गवर्निंग काउंसिल का हिस्सा बनना शानदार है।

टीम इंडिया को न्यूजीलैंड से पहला टेस्ट मैच जीतने करनी होगी कड़ी मशक्कत

बेंगलुरु, (ईएमएस)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट मैच में मुकाबला एकदम बॉलीवुड फिल्म की तरह है। बारिश से प्रभावित इस मैच में नतीजा क्या होगा? इस बारे में कोई भी अंदाजा नहीं लगा सकता कि कौने सी टीम इस मैच में जीत हासिल करेगी।

मैच में भारतीय टीम की पहली पारी महज 46 रनों पर सिमट गई थी। जवाब में न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 402 बनाएं इसके बाद भारत ने मैच के तीसरे दिन यानी शुक्रवार को अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 231 रन बना लिए थे। भारतीय टीम न्यूजीलैंड से 125 रन पीछे थी और उसके सात विकेट शेष थे। दो दिन का खेल बचा हुआ था। इस मैच में सस्पेंस बरकरार है।

बेंगलुरु में शनिवार को बारिश की आशंका जताई गई है। वहीं आखिरी दिन यानी रविवार को बारिश की आशंका 40 फीसदी है। इस तरह देखें तो चौथे और पांचवें दिन का खेल भी बाधित हो सकता है। यदि ऐसा हुआ तो बारिश से खेल नहीं हो पाता है, तो मैच ड्रॉ हो सकता है। सरफराज खान का बेंगलुरु टेस्ट अपना जलवा दिख दिया है। उनके पास व्यक्तिगत तौर पर यह मौका है कि बेंगलुरु की पारी से खुद को साबिज करें कि वह घरेलू क्रिकेट की तरह इंटरनेशनल क्रिकेट में भी मैराथन पारिया खेल सकते हैं। ऋषभ पंत दूसरी पारी में भारतीय टीम के लिए बल्लेबाजी करने के लिए उतरेंगे। पहली पारी में वह इंजर्ड हो गए थे। ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में ध्रुव जुरेल ने विकेट के पीछे कमान संभाली है जो 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा है। ऐसे में अगर ऋषभ पंत मैदान पर उतरते हैं और अपने रंग में दिखते हैं तो फिर न्यूजीलैंड की टेंशन बढ़नी तय है। केएल राहुल अगर चौथे दिन जम जाते हैं तो फिर बाजी पलटने से कोई नहीं रोक सकता। राहुल को ना सिर्फ तेजी से रन बनाने होंगे बल्कि उन्हें अपने विकेट को भी बचाकर रखना होगा, ताकि भारतीय टीम दूसरी पारी में एक बड़ा स्कोर खड़ा कर पाए।

रणजी में सुदर्शन ने लगाया दोहरा शतक, इंडिया टेस्ट टीम में बना सकते हैं जगह

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली के कप्तान हिम्मत सिंह को परिस्थितियों को सही से नहीं पढ़ पाने का खामियाजा भुगतना पड़ा जिससे तमिलनाडु के बी साई सुदर्शन ने नाबाद दोहरा शतक लगा दिया। ग्रुप-डी रणजी ट्रॉफी मैच के पहले दिन एक विकेट गंवाकर तमिलनाडु ने 379 रन बना लिए थे। सुदर्शन 202 रन बनाकर क्रीज पर डटे है, उन्होंने एन जगदीशन (101 गेंद में 65 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 168 रन और वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 96 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए अभी तक 211 रन की साझेदारियां निभाईं। दिल्ली के कप्तान हिम्मत पिच पर घास होने से सही फैसला नहीं ले सके जबकि यह सपाट निकली। इससे तमिलनाडु के बल्लेबाजों ने दिल्ली के गेंदबाजों की जमकर धुनाई कर दी। नवदीप सैनी ने 17 ओवर में 65 रन देकर एक विकेट और हिमांश चौहान ने 17 ओवर में 50 रन देकर कोई विकेट नहीं ले सके। शुरूआती स्पैल में प्रभाव डाला लेकिन सुदर्शन और जगदीशन ने खराब स्पिन गेंदबाजी पर तेजी से रन बटोरे।

दिल्ली टीम प्रबंधन ने बायें हाथ के स्पिनर सुमित माथुर को अंतिम 11 में नहीं चुना जिन्होंने पिछले सत्र में अपने पदार्पण में नौ विकेट लिए थे। गुजरात टाइटन्स के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी अपने खिलाड़ियों का खेल देख रहे थे और सुदर्शन के स्ट्रोक्स से वह प्रभावित हुए। फिलहाल, सुदर्शन 77 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 202 रन पर नाबाद खेल रहे हैं। उन्होंने अपनी पारी में 23 चौके और 1 छक्का लगाया है। रेड बॉल क्रिकेट में साई लगातार अच्छा कर रहे हैं। अगर इस तरह से वह खेलते रहे। तो जल्द ही वह भारत की टेस्ट टीम में जगह बना सकते है। वहीं सुदर्शन ने भारत के लिए 3 वनडे और 1 टी20 खेला है। वनडे में उन्होंने 63.50 की औसत से 127 रन बनाएं हैं, जिसमें 2 फिफ्टी भी शामिल हैं।

एक ही ओवर में लगातार लिए पांच विकेट, पार्कर ने किया कारनामा

नई दिल्ली (ईएमएस) । क्रिकेट मैच के दौरान एक ही ओवर में पांच लगातार गेंद पर पांच विकेट लेते गेंदबाज के बारे में आपने कभी नहीं सुना होगा। आस्ट्रेलिया में 116 साल के क्रिकेट इतिहास में ये पहली बार देखने को मिला, जब ग्लेन पार्कर नाम के गेंदबाज ने ये कारनामा कर दिखाया।

विक्टोरियन सब-डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन में गेंदबाज ग्लेन पार्कर ब्राइटन के लिए खेल रहे थे और सामने थी हूपर्स क्रॉसिंग की टीम । शुरुआती ओवर्स से ब्राइटन के गेंदबाजो की जमकर पिटाई हो रही थी तभी वो हुआ जो अकल्पनीय था ।ब्राइटन टीम के कप्तान पैट कैसेडी ने गेंदबाजी के लिए ग्लेन पार्कर को बुलाया। ग्लेन पार्कर ने एक ही ओवर में, लगातार पांच गेंदों में अविश्वसनीय रूप से पांच विकेट लिए । ये इतिहास रचने के बाद ग्लेन पार्कर से जब पुछा गया कि उन्होंने क्या खास किया तो पार्कर ने कहा कि वो सही जगह गेंद को गिरा रहे थे और बाकी बल्लेबाजी लगातार उनको गलत लाइन में खेलते चले गए ।ये क्रिकेट इतिहास की पहली ट्रिपल हैट्रिक थी आज तक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में इससे पहले ये कारनामा नही हुआ था। मैच की पहली गेंद पर बल्लेबाज कैच हुआ बाकी दो बल्लेबाज बोल्ड और दो एलबीडब्ल्यू आउट हए । गेंदबाजी के लिए वैसे भी आस्ट्रेलिया स्वर्ग माना जाता रहा है और ऐसे में फर्स्ट क्लास क्रिकेट के कुछ अनोखे रिकार्ड कंगारू गेंदबाजो के नाम अगर नजर आए तो चौंकिएगा मत। 2017 में येलोर्न नॉर्थ के निक गुडेन ने सेंट्रल गिप्सलैंड प्रतियोगिता में लैट्रोब के खिलाफ ये उपलब्धि हासिल की थी । निक गुडेन की जो बात उनकी ट्रिपल हैट्रिक को और भी खास बनाती है, वह यह है कि उन्होंने अपने पिछले स्पैल में 10 गेंदों के तूफानी स्पैल में आठ विकेट लेकर पहले ही हैट्रिक ले ली थी।

टिम वॉल नाम के गेंदबाज के खाते में एक बड़ा रिकार्ड है, जिन्होंने 1933 में न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ शील्ड मैच में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए सभी 10 विकेट लिए थे। वॉल ने 12.4 ओवरों में 26 रन देकर एक हैट्रिक समेत सभी 10 विकेट लिए इसमें महान डोनाल्ड ब्रैडमैन का विकेट भी शामिल था। पांच लगातार गेंदो पर पांच विकेट लेने का रिकार्ड भले ही ग्लेन पार्करके नाम हो पर इससे पहले एक ओवर में पांच विकेट लेने का कारनामा किया जा चुका है। वैलिंगटन के मैदान पर न्यूजीलैंड के नील वैगनर ने ये कारनामा अंजाम दिया था । बस फर्क इतना था कि ये पांच विकेट लगातार गेंद पर नहीं थे। 6 अप्रैल 2011 में वेलिंगटन के खिलाफ मुकाबले में शुरुआती चार गेंदों पर चार विकेट हासिल किए। इस ओवर की छठी गेंद पर भी उन्हें विकेट मिला और इस तरह उन्होंने एक ओवर में पांच विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया।

इस मैच में उन्होंने 36 रन देकर 6 विकेट हासिल किए थे। नील वैगनर ने जिन खिलाडियों को एक ओवर में पवेलियन की राह दिखाई, उनमें स्टीवर्ट रोड्स, जो ऑस्टिन स्मेली, जीतन पटेल, तुगागा और मार्क गिलेस्पी शामिल रहे। हाल में मलेशिया में खेली जा रही चार देशों की टी20 सीरीज में बहरीन के तेज गेंदबाज रिजवान बट्ट ने कमाल कर दिया। रिजवान ने सिंगापुर के खिलाफ 16 रन देकर पांच विकेट हासिल किए लेकिन यहां दिलचस्प बात ये है कि उन्होंने अपने पांच विकेट 6 गेंदों में हासिल किए। रिजवान ने अपनी पहली 14 गेंदों पर कोई विकेट नहीं लिया था।

ह्युंडै के आईपीओ से निवेशक निराश.........निवेश बैंकर मालामाल

मुंबई (ईएमएस)। भले ही ह्युंडै मोटर इंडिया का 27,870 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों को निराश कर गया हो, मगर आईपीओ ने शेयर बिक्री संभालने वाले पांच निवेश बैंकरों की चांदी कर दी है। दक्षिण कोरियाई कार कंपनी ने तथाकथित बुक रनिंग लीड मैनेजर्स (बीआरएलएम) को फीस एवं कमीशन के तौर पर 493 करोड़ रुपये दिए जो कुल निर्गम आकार का 1.77 फीसदी है। यह किसी आईपीओ को संभालने के लिए अब तक का सबसे बड़ा भुगतान है।

पेटीएम की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस ने नवंबर 2021 में अपने 18,300 करोड़ रुपये के आईपीओ को संभालने के लिए निवेश बैंकरों को फीस के तौर पर 324 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। यह रकम कंपनी के कुल निर्गम आकार की 1.77 फीसदी थी। उद्योग के अनुमान के अनुसार, ह्युंडै के भुगतान के बाद चालू कैलेंडर वर्ष में शेयर बिक्री सौदों को संभालने के लिए निवेश बैंकरों की कुल फीस आय 3,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच चुकी है। यह किसी एक साल में निवेश बैंकरों को फीस से हुई सबसे अधिक कमाई है।

इस साल पूंजी बाजार में तीन बड़े सौदे हुए। ह्युंडै के अलावा अन्य दो सौदों में वोडाफोन आइडिया का 18,000 करोड़ रुपये का एफपीओ और ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का 6,146 करोड़ रुपये का आईपीओ शामिल हैं। निवेश बैंकरों ने वोडाफोन आइडिया के एफपीओ से 287 करोड़ और ओला इलेक्ट्रिक के आईपीओ से 145 करोड़ रुपये कमाए।

ह्युंडै का आईपीओ देश में अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। इससे प्राप्त आकर्षक फीस को पांच निवेश बैंकरों में बांटा जाएगा। इस अप्रत्याशित लाभ से उनकी प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी क्योंकि यह सौदा काफी बड़ा है। साल के दूसरे सबसे बड़े शेयर बिक्री सौदे- बजाज हाउसिंग फाइनैंस के 6,560 करोड़ रुपये के आईपीओ के मुकाबले ह्युंडै का आईपीओ करीब चार गुना है। दिलचस्प है कि ह्युंडै से पहले देश का सबसे बड़ा आईपीओ भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का आईपीओ था। एलआईसी के आईपीओ से केंद्र सरकार को 20,557 करोड़ रुपये जुटाने में मदद मिली मगर निवेश बैंकरों को अधिक आमदनी नहीं हुई। एलआईसी के आईपीओ को संभालने के लिए मोदी सरकार ने निवेश बैंकरों को 11.8 करोड़ रुपये दिए इस 16 निवेश बैंकरों के बीच बांटा गया था।

आम तौर पर निवेश बैंकर कम फीस पर सरकारी कंपनियों के बड़े सौदों को संभालने के लिए तैयार रहते हैं क्योंकि इससे उनकी प्रतिष्ठा बढ़ती है। जहां तक निजी क्षेत्र का सवाल है, तब बीआरएलएम का फीस कुल निर्गम आकार का 1 से 3 फीसदी के दायरे में होता है। एक निवेश बैंकर ने बजाज हाउसिंग फाइनैंस का उदाहरण देकर कहा, ह्युंडै आईपीओ जैसे बड़े सौदे के लिए 1.8 फीसदी तक का फीस काफी आकर्षक है। अगर शेयर के लिए बाजार में आकर्षण दिखता है, तब कंपनियां सौदेबाजी कर सकती हैं। यदि निर्गम मूल्य आकर्षक है, तब रोड शो के दौरान अधिक मेहनत भी नहीं करनी पड़ती है।' बजाज फाइनैंस की सहायक कंपनी ने पूंजी बाजार से 6,560 करोड़ रुपये जुटाने के लिए निवेश बैंकरों को बतौर फीस 36 करोड़ रुपये (0.6 फीसदी) का भुगतान किया। कंपनी का शेयर शुरू में 137 फीसदी उछल चुका था।

बहरहाल, इस साल अब तक 66 कंपनियों ने आईपीओ के जरिये पूंजी बाजार से करीब 93,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे पहले 2021 में आईपीओ के जरिये 1.19 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे। इस साल शापूरजी पलोनजी ग्रुप की कंपनी एफकॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर का 7,000 करोड़ रुपये का आईपीओ और सोलर पैनल बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जिज का 4,321 करोड़ रुपये का आईपीओ आने वाला है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में ?गिरावट

- 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर पर

मुंबई (ईएमएस)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर रहा। यह हाल के दिनों में मुद्रा भंडार में सबसे बड़ी गिरावट है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.18 अरब डॉलर रहा था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के जारी ?किए गए आंकड़ों के अनुसार 11 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 10.54 अरब डॉलर घटकर 602.10 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 9.8 करोड़ डॉलर घटकर 65.66 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.34 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 2 करोड़ डॉलर घटकर 4.33 अरब डॉलर रहा।

सोना एक हफ्ते में 2,580 रुपए महंगा, दिवाली तक 80,000 तक पहुंचेगा

- जून 2025 तक सोना 85,000 रुपए के आंकड़े को छूने की संभावना

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। सोने की कीमतों में लगातार उछाल देखने को मिल रहा है। पिछले एक हफ्ते में सोना 2,580 रुपए महंगा हो चुका है और अब इसकी कीमत 77,410 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि दिवाली तक सोने का दाम 80,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। इसके अलावा जून 2025 तक सोना 85,000 रुपए के आंकड़े को छूने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार ब्याज दरों में गिरावट और डॉलर की कमजोरी के चलते सोने की मांग में तेजी आई है, जिससे इसकी कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। मोडिटी विश्लेषकों का अनुमान है कि अगले साल जून तक सोने की कीमत 85,000 रुपए तक जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना पहली बार 2,700 डॉलर प्रति आउंस से ऊपर निकल गया है। आईबीजेए (इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन) के आंकड़ों के मुताबिक इस साल सोने की कीमत में अब तक 14,164 रुपए का इजाफा हुआ है और पिछले 12 महीनों में 18,127 रुपए की वृद्धि देखी गई है। यानी कि एक साल में सोने का रिटर्न 30.6 फीसदी रहा है, जबकि इसी अवधि में सेंसेक्स का रिटर्न 22.27 फीसदी था। ?विशेषज्ञों के अनुसार मौजूदा हालात को देखते हुए सोने की कीमतों में तेजी के रुकने के आसार कम हैं। ब्याज दरों में गिरावट और डॉलर की कमजोरी भी बड़ी वजह मानी जा रही है। भारत में भी सोने की मांग में भारी इजाफा हुआ है। 2018-19 से लेकर 2023-24 तक, देश में सोने का आयात 45 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया है। अनुमान है कि दिवाली से पहले सोने की कीमत 80,000 रुपए तक पहुंच सकती है, और जून 2025 तक यह 85,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक हो सकता है। अमेरिका में 5 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आएंगे, और 7 नवंबर को अमेरिकी केंद्रीय बैंक दूसरी बार ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। यदि डोनाल्ड ट्रंप जीतते हैं, तो अनिश्चितता बढ़ेगी, जिससे सोना और महंगा हो सकता है।

सर्वेः ब्याज दर 9 फीसदी से अधिक होने पर मकान खरीदारी पर पड़ेगा असर

- वर्ष 2029 तक 1.04 लाख करोड़ डॉलर का आवासीय बाजार होगा

मुंबई (ईएमएस)। भारत की आर्थिक वृद्धि रियल एस्टेट क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही है। आवासीय बाजार हर साल 25.6 फीसदी की दर से बढ़ रहा है, जिसके 2029 तक बढ़कर 1.04 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि, इस वृद्धि में महंगे होम लोन बड़ी बाधा बन सकते हैं। एक मकान खरीदार धारणा सर्वेक्षण सर्वे में शामिल करीब 90 फीसदी उत्तरदाताओं का कहना है कि होम लोन के 9 फीसदी से अधिक होने पर मकान खरीदने पर उनको ?विचार करना पड़ सकता है। सर्वे में कहा गया है कि 71 फीसदी से अधिक लोग मानते हैं कि अगर ब्याज दर 8.5 फीसदी से कम रहती हैं, तो खरीदारी का फैसला प्रभावित नहीं होगा।?54 फीसदी ने कहा ?कि ब्याज दर 8.5 फीसदी से 9 फीसदी के बीच होने पर उन्हें अपनी पसंद पर विचार करना पड़ेगा। करीब 98 फीसदी मकान खरीदारों की प्राथमिकता समय पर परियोजनाओं का पूरा होना है। 93 फीसदी लोग बेहतर निर्माण गुणवत्ता चाहते हैं, जबकि 72 फीसदी उत्तरदाता अच्छे हवादार मकान खरीदना चाहते हैं।59 फीसदी से अधिक लोगों के लिए रियल एस्टेट निवेश का पसंदीदा क्षेत्र है। 67 फीसदी से अधिक लोग खुद के इस्तेमाल के लिए मकान खरीदना चाहते हैं। 35 फीसदी से अधिक खरीदारों के लिए 45-90 लाख का बजट पसंदीदा विकल्प है। 28 फीसदी 1.5 करोड़ तक के मकान खरीदना चाहते हैं।

सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात पिछले वित्त वर्ष में बढ़कर 205.2 अरब डॉलर पहुंचाः आरबीआई

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों की विदेशी अनुषंगियों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं समेत देश का सॉफ्टवेयर सेवाओं का कुल निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 205.2 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं (आईटीईएस) के निर्यात पर आरबीआई के वार्षिक सर्वेक्षण 2023-24 से पता चलता है कि भारत का सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात (विदेशों में वाणिज्यिक उपस्थिति के माध्यम से उनकी बिक्री को छोड़कर) सालाना आधार पर 2.8 प्रतिशत बढ़कर 190.7 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका 54 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारतीय सॉफ्टवेयर निर्यात का प्रमुख गंतव्य रहा। उसके बाद यूरोप (31 प्रतिशत हिस्सेदारी) का स्थान था जिसमें ब्रिटेन की अहम मौजूदगी रही।सर्वेक्षण में 7,226 सॉफ्टवेयर निर्यात कंपनियों से संपर्क किया गया। इनमें से 2,266 कंपनियों ने जवाब दिए जिनमें अधिकांश बड़ी कंपनियां शामिल थीं। भाग लेने वाली कंपनियों की कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में लगभग 89 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। आरबीआई सर्वेक्षण कहता है कि वित्त वर्ष 2023-24 में कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में कंप्यूटर सेवाओं का हिस्सा दो-तिहाई से अधिक था और आईटीईएस निर्यात में बीपीओ सेवाएं प्रमुख घटक रहीं।

धनतेरस पर की गई पूजा और खरीदारी से जीवन में सुख और समृद्धि आती है

- धनतेरस के दिन सोने और चांदी के बर्तन, सिक्के और आभूषण खरीदने की परम्परा रही है

मुंबई (ईएमएस)। धनतेरस एक ऐसा पर्व है जो हमें धन, स्वास्थ्य और खुशियों का संदेश देता है। इस दिन की गई खरीदारी केवल भौतिक समृद्धि नहीं बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक समृद्धि का भी प्रतीक है। धनतेरस पर की गई पूजा और खरीदारी से जीवन में सुख और समृद्धि का संचार होता है, जो हमें और हमारे परिवार को एक नई दिशा में आगे बढ़ाता है। धनतेरस पर खरीदारी करने की परंपरा और मान्यता दोनों हैं। सदियों से ये रीत चली आ रही है की दिवाली का आरंभ धनतेरस की शॉपिंग से होता है। देवी लक्ष्मी की तरह ही भगवान धन्वंतरि भी सागर मंथन से उत्पन्न हुए हैं। धनवंतरि जब प्रकट हुए थे तो उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था इसलिए इस अवसर पर बर्तन खरीदने की परम्परा है। धनतेरस के दिन सोने और चांदी के बर्तन, सिक्के और आभूषण खरीदने की परम्परा रही है। सोना सौंदर्य में वृद्धि तो करता ही है, मुश्किल घड़ी में संचित धन के रूप में भी काम आता है। कुछ लोग शगुन के रूप में सोने या चांदी के सिक्के भी खरीदते हैं। यह भी कहा जाता है कि इस दिन धन (वस्तु) खरीदने से उसमें 13 गुणा वृद्धि होती है। लोग इस दिन ही दीवाली की रात पूजा करने के लिए लक्ष्मी व गणेश जी की मूर्ति भी खरीदते हैं। धनतेरस पर झाड़ू खरीदने से घर में धन को आकर्षित करने की क्षमता बढ़ती है। इसे अभिजीत मुहूर्त अथवा सूर्यास्त के बाद खरीद कर घर ले आएं। फाइनेंशियल कंडीशन को स्थिर करने हेतु नए झाड़ू पर सफ़ेद रंग का धागा बांधकर उपयोग में लाएं। पुरानी झाड़ू को आधी रात के बाद घर से बाहर निकालें। लोक मान्यता के अनुसार इस अवसर पर धनिया के बीज खरीद कर भी लोग घर में रखते हैं। ऐसी जनश्रुति है कि इस दिन सूखे धनिया के बीज खरीद कर घर में रखना भी परिवार की धन संपदा में वृद्धि करता है। दीवाली के बाद इन बीजों को लोग अपने बाग-बगीचों या खेतों में बोते हैं। ये बीज उन्नति व धन वृद्धि के प्रतीक होते हैं। बदलते दौर के साथ लोगों की पसंद और जरूरत भी बदली है। कुछ लोग धनतेरस के दिन विलासिता से भरपूर वस्तुएं खरीदते हैं तो कुछ जरूरत की वस्तुएं खरीद कर धनतेरस का पर्व मनाते हैं। वैश्वीकरण के इस दौर में भी लोग अपनी परम्परा को नहीं भूले हैं और अपने सामर्थ्य के अनुसार यह पर्व मनाते हैं। धनतेरस के दिन वाहन खरीदने का फैशन सा बन गया है। लोग इस दिन गाड़ी खरीदना शुभ मानते हैं। कुछ लोग मोबाइल, कम्प्यूटर और बिजली के उपकरण इत्यादि भी धनतेरस पर ही खरीदते हैं। धनतेरस पर हीरा और चांदी खरीदना शुभ होगा। सोना लेने की इच्छा है तो बिस्कुट अथवा बॉड खरीदें।

मांजरेकर ने क्यों सरफराज को बताया जावेद मियांदाद

मुंबई (ईएमएस)। संजय मांजरेकर ने सरफराज खान की तारीफ कर उनकी तुलना दिग्गज पाकिस्तानी बल्लेबाज जावेद मियांदाद से की। सरफराज न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट की पहली पारी में मैट हेनरी द्वारा तीन गेंदों पर शून्य पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में अपनी गलती सुधारकर चौथे दिन शतक लगाया। इतना ही नहीं सरफराज ने विराट कोहली के साथ 136 रनों की साझेदारी भी की जिन्होंने तीसरे दिन के खेल के अंत में आउट होने से पहले 70 रन बनाए।

मांजरेकर ने कहा कि सरफराज की पारी ने उन्हें मियांदाद की याद दिला दी जिन्होंने पाकिस्तान के लिए 124 टेस्ट मैचों में 23 शतक और 43 अर्द्धशतक के साथ 8832 रन बनाए। मांजरेकर ने कहा, वे (सरफराज) मुझे 1980 के दशक के मियांदाद की याद दिलाता है, लेकिन यह 2024 का मियांदाद है। जिस तरह से सरफारज ने खेला, उससे मैं वाकई प्रभावित हूं। हम जानते हैं कि वह स्पिन को अच्छी तरह खेलता है, लेकिन मुझे उसका तेज गेंदबाजों को खेलने का तरीका पसंद आया।

मांजरेकर ने सरफराज की अपने दिमाग का इस्तेमाल करने और तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक अपना विकेट बचाए रखने की कोशिश करने के लिए भी प्रशंसा की। मांजरेकर ने कहा, दिन के खेल के अंत में जब वह रक्षात्मक रूप से खेलना चाह रहा था और खराब रोशनी चाहता था, जबकि वास्तव में तेज रोशनी थी। मुझे वह तरीका पसंद आया जिस तरह से वह बाउंसरों पर झुक रहा था, बस दिन को खेलने की कोशिश कर रहा था, इसलिए वह खेल भी खेल सकता है और यह भारत और सरफराज खान के लिए ऑस्ट्रेलिया के लिए अच्छा संकेत है क्योंकि उसने बल्लेबाजी का वह तत्व भी दिखाया है।

टूडो की पोल खोल रहे उनके अपने लोग, पूर्व एनएसए ने भी कर दिया कंफ्यूज, सिर्फ कोरे आरोप

ओटावा (ईएमएस)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो द्वारा भारत पर लगाए गए बेबुनियाद आरोपों के बाद द्विपक्षीय संबंध अब तक के सबसे निचले स्तर तक पहुंच गए हैं। इस मामले में अब एक नया मोड़ आया है, जब कनाडा की पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉडी थॉमस ने कुछ अहम खुलासे किए हैं। वहीं कनाडा के विपक्षी नेता भी उन्हें लगातार घेर रहे हैं। अब कनाडा के एक विपक्षी नेता ने प्रधानमंत्री टूडो पर अन्य विवादों से ध्यान हटाने के लिए हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। साथ ही सरकार से पिछली प्रशासनिक गलती को सुधारने के लिए खालिस्तानी आतंकवादी की नागरिकता मरणोपरांत छीन लेने को कहा है।

जॉडी थॉमस ने हाल ही में कनाडा की विदेश मामलों की जांच समिति के समक्ष पेशी के दौरान कहा कि निज्जर की हत्या के पीछे बदले की भावना थी। उन्होंने बताया कि जब जांच शुरू हुई थी, तो कनाडाई खुफिया एजेंसियों का मानना था कि निज्जर की हत्या रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या के प्रतिशोध में की गई थी। रिपुदमन की हत्या के ठीक एक साल बाद, निज्जर की भी गुरुद्वारे में गोली मार दी गई थी। यह वही गुरुद्वारा था, जहां पहले भी एक हाई-प्रोफाइल हत्या हो चुकी थी। पूर्व एनएसए थॉमस ने इस संदर्भ में साल 1985 की एयर इंडिया विमान दुर्घटना का जिक्र किया, जिसमें 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि निज्जर इस हादसे के बाद रिपुदमन सिंह मलिक को धोखेबाज मानते थे, और इसी वजह से उनकी हत्या की गई थी। हालांकि, जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, नए सबूत सामने आए, जिससे यह आशंका और गहरी हुई कि निज्जर की हत्या एक एक्स्ट्रा ज्यूडिशियल किलिंग हो सकती है, जैसा कि पहले जस्टिन टूडो ने कहा था। जॉडी थॉमस ने यह भी स्वीकार किया कि इस मामले में जुटाए गए कुछ अहम सबूत भारत के साथ साझा नहीं किए गए हैं, जिससे अब इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच और भी जटिलताएं बढ़ सकती हैं। सिख समुदाय में इस हत्या को लेकर गंभीर चिंता जताई जा रही है, और इस पर कानूनी एवं राजनीतिक दोनों ही स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। इस घटनाक्रम ने कनाडा और भारत के बीच द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित किया है और दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास पर सवाल उठाए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पीपुल्स पार्टी ऑफ कनाडा के नेता मैक्सिम बर्नियर ने कहा कि खालिस्तानी आतंकवादी, जो पूरे विवाद का केंद्रीय व्यक्ति है, एक विदेशी आतंकवादी था, जिसे किसी तरह 2007 में नागरिकता प्रदान कर दी गई थी। बता दें कि रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने कहा कि उसने जून 2023 में निज्जर की हत्या में भारत के उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों की पहचान की है। आरसीएमपी ने यह भी कहा कि उन्हें भारत सरकार के एजेंटों द्वारा कनाडाई लोगों के खिलाफ़ तेज़ अभियान के सबूत मिले हैं।

क्यूबा में इलेक्ट्रिक ग्रिड फैल होने से ब्लैकआउट, अंधेरे में रहने को मजबूर हैं लोग

हवाना (ईएमएस)। कैरिबियाई देश क्यूबा में बिजली संकट छा गया है। पूरा देश अंधेरे में है। मीडिया रिपोर्ट में क्यूबा के ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक इलेक्ट्रिक ग्रिड बंद होने से द्वीप के प्रमुख बिजली संयंत्रों में से एक एंटोनियो गुइटरस पावर प्लांट ठप हो गया है, जिससे देश में ब्लैकआउट हो गया और लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं।

जानकारी के मुताबिक हवाना में गाड़ी चालकों ने रात में शहर जाने की कोशिश की, लेकिन कोई स्ट्रीट लाइट नहीं जलने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़कों पर भी पुलिस ही नजर आई। क्यूबा के ज्यादातर लोगों के पास जनरेटर नहीं है। शहर में केवल कुछ ही लोगों के पास यह व्यवस्था है। बता दें कि क्यूबा में ऊर्जा की कमी से सरकार ने बिजली बचाने के लिए कठोर नियम अपनाने के लिए कहा है। इसमें श्रमिकों से घर पर रहने की अपील भी की गई है।

बिजली की कमी के कारण स्कूलों में कक्षाएं रद्द कर दी गई हैं साथ ही नाइट क्लब और मनोरंजन केंद्रों को बंद करने का आदेश दिया गया है। केवल जरूरी काम करने वाले श्रमिकों को ही अपने काम पर जाने के आदेश दिए गए हैं। कम्युनिस्ट शासित द्वीप पर लाखों लोग पिछले कई दिनों से अंधेरे में रहने को मजबूर हैं।

क्यूबा के अधिकारियों ने अमेरिकी के आर्थिक प्रतिबंधों के साथ-साथ तूफानों को भी इसके लिये जिम्मेदार ठहराया है। क्यूबा के पीएम मैनुअल मार्रेरो क्रूज ने कहा कि देश के सीमित उत्पादन में से ज्यादातर लोग पूरी तरह से बिजली के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं।

अब तक बाबा बेंगा की भविष्यवाणियां सच हुईं, 2043 तक यूरोप में स्थापित होगा मुस्लिम शासन?

सोफिया (ईएमएस)। बाबा बेंगा की भविष्यवाणियां पूरी दुनिया में चर्चित हैं। अब तक उन्होंने जो भी भविष्यवाणी की है वो अधिकांशतः सही साबित हुई है। एक बार फिर उनकी भविष्यवाणी ने सुर्खियां बटोरी हैं, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि 2043 तक यूरोप में मुस्लिम शासन आ जाएगा। बाबा वेंगा ने अपनी भविष्यवाणियों में यूरोप के भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएँ जताई हैं और इस दिशा में कुछ अहम घटनाओं की भविष्यवाणी की है।

इसके अलावा, बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी कि साल 2025 में यूरोप में एक बड़ा संघर्ष होगा, जो महाद्वीप में तबाही का कारण बनेगा। इस संघर्ष के कारण यूरोप में हालात बिगड़ जाएंगे और यह मानवता के लिए एक संकट का समय साबित होगा। इसके बाद, 2033 में ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर परिणामों की भविष्यवाणी भी की गई है। बाबा वेंगा का कहना था कि ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र स्तर बढ़ेगा, जिससे लोगों का जीवन और भी मुश्किल हो जाएगा।

हालांकि, बाबा वेंगा की भविष्यवाणियाँ हमेशा सटीक नहीं होतीं, लेकिन जिन घटनाओं का उन्होंने पहले उल्लेख किया था, वे समय के साथ सच साबित हुईं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यूरोप में 2043 तक मुस्लिम शासन की भविष्यवाणी भी सच साबित होती है या नहीं। इस प्रकार की भविष्यवाणियाँ लोगों के मन में डर और अज्ञात की जिज्ञासा को जन्म देती हैं, लेकिन इन पर विश्वास करने से पहले तथ्यात्मक आधार पर विचार करना जरूरी है। बाबा वेंगा, जिनका जन्म बुल्गारिया में हुआ था, ने अपनी मृत्यु से पहले साल 5079 तक की भविष्यवाणी की थी। उनकी भविष्यवाणियों में कई घटनाएँ पहले ही सही साबित हो चुकी हैं, जैसे सोवियत यूनियन का विघटन और 9/11 के आतंकी हमले। अब उनका दावा है कि 2043 तक यूरोप में मुस्लिम शासन का उदय होगा और पूरे महाद्वीप में नारा-ए-तकबीर गूंजेगा। इस बयान के बाद, कई लोग इसे भारत में हो रही सांप्रदायिक चर्चाओं से जोड़ कर देख रहे हैं, जहां कुछ लोग हिंदू एकता की बात करते हुए मुस्लिम आबादी के बढ़ने को लेकर चिंतित हैं।

दक्षिण कोरिया निजी क्लाउड इंडस्ट्री में खुद को करेगा और बेहतर

सोल (ईएमएस)। दक्षिण कोरिया निजी क्लाउड इंडस्ट्री के विस्तार की योजना बना रहा है। विज्ञान मंत्रालय ने कहा है कि द.कोरिया ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युग में दूसरों के मुकाबले खुद को मजबूत करने प्राइवेट क्लाउड कंप्यूटिंग इंडस्ट्री का विस्तार करने की योजना बना रहा है। विज्ञान और आईसीटी मंत्रालय ने वैश्विक संस्थाओं के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाकर स्थानीय क्लाउड कंपनियों को बढ़ावा देने की घोषणा की है। इस साझेदारी का लक्ष्य 2022 से 2027 तक घरेलू क्लाउड बाजार का आकार दोगुना कर 10 ट्रिलियन वॉन (7.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर) करना है।

विज्ञान मंत्रालय ने बताया है कि दक्षिण कोरिया की क्लाउड तकनीक ग्लोबल लीडर्स की टेक्नोलॉजी से एक वर्ष से अधिक पीछे है। इसके अलावा, देश में एआई क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर भी अभी तैयार नहीं है। इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्राइवेट क्लाउड सिस्टम को शिक्षा, फाइनेंस, डिफेंस और दूसरे पब्लिक सेक्टर में लेने की योजना पर काम कर रही है।

इसके अलावा एक स्वदेशी एआई चिप को भी विकसित किया जाएगा, जिसका इस्तेमाल डेटा सेंटर में हो सकेगा और यह 1 एक्साफ्लॉप से अधिक क्षमता वाले एक राष्ट्रीय एआई कंप्यूटिंग केंद्र की स्थापना करने के लिए भी काम करेगा। इसका मतलब एक सुपर कंप्यूटर से होगा, जो प्रति सेकंड कम से कम एक क्विंटिलियन फ्लोटिंग पॉइंट ऑपरेशन की कैलकुलेशन कर सके।

प्राइवेट क्वलाउड इकोसिस्टम को सपोर्ट करने के लिए एक एआई इनोवेशन फंड भी बनाया जाएगा, जिसमें सरकार अगले वर्ष 45 बिलियन वॉन का निवेश करेगी। इसके अलावा, प्राइवेट सेक्टर से भी निवेश को प्रोत्साहित किया जाएगा।

महिला टी20 विश्व कप : वेस्टइंडीज को हराकर न्यूजीलैंड फाइनल में पहुंचा

शारजाह (ईएमएस)। महिला टी-20 विश्वकप 2024 का फाइनल में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच होगा। दक्षिण अफ्रीका पहले ही ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में पहुंच चुका है। अब न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज टीम को दूसरे सेमीफाइनल में एक रोमांचक मुकाबले में आठ रन से हराकर फाइनल में पहुंचा है। शारजहा के मैदान पर खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में डिएंड्रा डोटिन के चार विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने महिला टी20 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में शुक्रवार को न्यूजीलैंड को 128 रन ही बनाने दिए। टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज के विकेट लगातार गिरते गए। डॉटिन ने आखिर में 22 गेंदों पर 33 रन ठोके लेकिन वह टीम को जीत दिलाने में नाकाफी साबित हुए।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड का फैसला गलत साबित हुआ और आधी टीम 98 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। न्यूजीलैंड के लिए जॉर्जिया प्लिमर (33) और सूजी बेट्स (26) रन के बाद कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर नहीं टिक सका। इस दौरान ब्रूक के बल्ले से 9 गेंदों पर 18 तो इसाबेल ने 14 गेंदों पर 20 रन बनाए और अपनी टीम का स्कोर 128 रन तक पहुंचाया। वेस्टइंडीज के लिए डोटिन ने 4 ओवर में 22 रन देकर चार विकेट झटके जबकि एफी फ्लेचर ने 2 विकेट लिए।

विंडीज टीम जब मैदान पर उतरी तो सधी शुरूआत की। कप्तान हेले 15 तो क्विना 12 रन बनाए। मध्यक्रम में डॉटिन क्रीज पर टिकी रही। उन्होंने 22 गेंदों पर तीन छक्कों की मदद से 33 रन बनाए और टीम को संभाला। 17वें ओवर में उनका विकेट गिरते ही टीम की हालत खराब हो गई। इस दौरान फ्लेचर (17) और जेडा जेम्स (14) ने 21 रनों की पार्टनरशिप की लेकिन जेम्स की विकेट गिरते ही विंडीज मैच जीतने से दूर हो गई।

प्लेयर आफ द मैच ईडन कार्सन ने कहा कि मैं वास्तव में भावुक हूं लेकिन मुझे लड़कियों पर गर्व है। जब डिएंड्रा डॉटिन हमें उत्साहित कर रही थी...तो लड़कियों ने विश्वास कर लिया और उसे रोक लिया और हम लाइन पर आ गए। हमें वास्तव में एक और कम स्कोर का बचाव करना था। आज हमने वेस्ट इंडीज के खिलाफ शुरुआती विकेट लेने थे, वे एक खतरनाक टीम हैं। हमने देखा कि वेस्टइंडीज ने किस तरह से गेंदबाजी की, उन्होंने थोड़ी अधिक बैक-ऑफ-द-लेंथ गेंदबाजी की और यह काम कर गई।

हमास चीफ बनते ही खलील का ऐलान, गाजा में हमले रोके इजराइल, तब छोड़ेंगे बंधक

तेहरान (ईएमएस)। इजराइली हमले में याह्या सिनवार की मौत के बाद हमास का नया नेता चुन लिया गया है। खलील अल-हैय्या को हमास का नया चीफ बनाया गया है, जो अभी तक हमास का डिप्टी लीडर था। हमास ने एक बयान जारी करते हुए सिनवार की मौत की पुष्टि की गई और अपने नए नेता के तौर पर खलील के नाम का ऐलान किया। नेता चुने जाने के बाद अपने पहले भाषण में खलील ने इजराइली को चेतावनी दी कि वह लड़ाई जारी रखेगा और इजराइली बंधकों को भी वापस नहीं करेगा। खलील अल-हय्या ने हमास की कमान संभालने के बाद अपने कहा कि शहीद याह्या सिनवार ने फिलिस्तीनियों की आजादी के लिए लड़े और कुर्बान हो गए। खलील ने कहा कि याह्या की मौत बहादुरी से लड़ते हुए हुई है। आखिरी वक्त की तस्वीर दिखाती हैं कि उनका सिर ऊंचा था और उन्होंने अपनी बंदूक संभाल रखी थी, वह आखिरी सांस तक इजराइली सेना का मुकाबला करते रहे डर नहीं। खलील ने इजराइल के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का एलान किया है। साथ ही बंधकों की रिहाई के लिए इजराइली को गाजा पर हमले करना बंद करना होंगे। इजरायली बंधक तब तक वापस नहीं लौटेंगे जब तक कि गाजा पर हमले बंद नहीं होते और इजराइली सैनिकों की गाजा से पूरी तरह वापसी नहीं हो जाती। साथ ही फिलिस्तीनी कैदियों की इजराइली जेलों से रिहाई भी हमारी शर्त का हिस्सा है। बंधकों को हमारी इन शर्तों के पूरा होने पर ही छोड़ दिया जाएगा।

खलील ने कहा कि हमास अपनी जमीन के लिए लड़ रहा है और आगे भी लड़ता रहेगा। ये लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक कि यरूशलम को राजधानी बनाकर पूरी फिलिस्तीनी धरती पर एक आजाद देश की स्थापना नहीं हो जाती। खलील ने कहा कि इजराइल को गाजा से जाना ही होगा, हम इजराइली फौजों के वापस जाने तक लड़ते रहेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खलील अल हय्या लंबे समय से हमास से जुड़ा हुआ है। 2007 में गाजा में इजरायली हवाई हमले में उसने अपने पूरे परिवार को खो दिया था। वह गाजा में युद्ध विराम के लिए इजराइल के साथ बातचीत के लिए हमास के वार्ताकारों में भी शामिल रहा है। अभी तक इस्माइल हानिया और याह्या सिनवार की छत्रछाया में काम करने वाले खलील पर अब हमास को मजबूती देने की जिम्मेदारी है। इजराइली हमलों के चलते हमास फिलहाल कमजोर पड़ गया है।

इजराइली सेना ने शिविरों पर किया हमला, 33 नागरिकों की मौत, कई घायल

गाजा (ईएमएस)। उत्तरी गाजा पट्टी में जबालिया शिविर पर इजराइली हवाई हमले में कम से कम 33 आम नागरिक मारे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में जानकारी दी गई है कि मृतकों में 21 महिलाएं हैं और कई पीड़ितों के मलबे और इमारतों में फंसे होने के कारण कुल मौतों की संख्या 50 तक पहुंचने की संभावना है। रिपोर्ट में एक बयान में कहा कि बमबारी में 85 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ गंभीर हैं। इसमें कहा गया है कि इजराइली सेना ने जबालिया शिविर में कई घरों पर बमबारी की। इजराइली सेना ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

रिपोर्ट में एक बयान में कहा कि गाजा पट्टी में चल रहे इजराइली हमलों से आम फिलीस्तीनी नागरिकों के मरने वालों की संख्या बढ़कर 42,500 हो गई है।

उत्तर कोरिया में मिला दक्षिण कोरियाई ड्रोन, हमले की दी धमकी

प्योंगयांग (ईएमएस)। उत्तर कोरिया के प्योंगयांग के एक जिले में एक दक्षिण कोरियाई ड्रोन मिला है। वहीं उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण कोरियाई सैन्य संपत्तियों द्वारा बार-बार घुसपैठ को युद्ध की घोषणा माना जाएगा और जवाबी हमले किए जाएंगे। उत्तर कोरियाई रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 13 अक्टूबर को प्योंगयांग में दक्षिण कोरियाई ड्रोन का मलबा मिला था।

सिनवार की हत्याः पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हैरान करने वाला हुआ खुलासा

तेल अवीव (ईएमएस)। साउथ गाजा में ग्राउंड ऑपरेशन के तहत हमास चीफ याह्या सिनवार को मारकर बेंजामिन नेतन्याहू ने 7 अक्टूबर 2023 अटैक का बदला भी ले लिया। याह्या सिनवार की मौत कन्फर्म हो चुकी है। मगर उसकी मौत कैसे हुई, इसे लेकर अब पॉस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट की मानें तो याह्या सिनवार की मौत को कन्फर्म करने के लिए इजरायली सैनिकों ने उसकी उंगली काट दी थी। याह्या सिनवार हमास का पोलित ब्यूरो चीफ था। एक वीडियो में यह देखा गया कि याह्या सिनवार के चहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। उसकी खोपड़ी का कुछ हिस्सा उड़ा हुआ दिखा, जो कि पोस्टमॉर्टिम करने वाले चीफ पैथोलॉडिस्ट के दावों से मिलता है। बता दें कि इजरायली सैनिकों ने नुकसान के आकलन और किसी भी बचे हुए लोगों की तलाश के लिए जमीनी छापेमारी करने से पहले ठिकाने पर एक टैंक से गोला दागा था। गुप्त सूचना के आधार पर दक्षिणी गाजा में की गई एक ग्राउंड रेड में हमास नेता याह्या सिनवार मारा गया।

याह्या सिनवार के शव का पोस्टमॉर्टम करने वाले चीफ पैथोलॉजिस्ट की मानें तो हमास चीफ सिनवार की मौत सिर में गोली लगने से हुई है। उन्होंने बताया कि हमास नेता को टैंक के गोले से भी चोटें आई थीं, मगर उन्होंने यकीन से कहा कि याह्या सिनवार की मौत सिर में गोली लगने से ही हुई है। सोशल मीडिया पर याह्या सिनवार का वीडियो वायरल है। उसमें वह मौत से कुछ देर पर सोफे पर बैठा नजर आता है। इजरायली सैनिक ड्रोन से इसकी पुष्टि कर रहे थे। याह्या सिनवार के बाएं हाथ की तर्जनी उंगली कटी हुई थी। वीडियो में बाएं हाथ की सभी उंगलियां पहले थी, मगर बाद में एक उंगली गायब दिखी। वह उंगली डीएनए मैच के लिए थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इजरायली सैनिकों ने उसकी मौत की पुष्टि के लिए उसकी उंगलियां काट दी थी। उसके सिर में गोली मारी गई थी, जिससे उसकी खोपड़ी उड़ गई। उसका हाथ बुरी तरह से घायल हो चुका था। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायली सैनिक जब सिनवार के ठिकाने में दाखिल हुए तो उन्हें याह्या सिनवार जैसा दिखने वाला एक शव मिला। मगर वे पूरी तरह से कन्फर्म होना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने डीएनए जांच के लिए उसकी उंगली काट दी। दरअसल, याह्या सिनवार इजरायल की जेल में पहले सजा काट चुका था। उसी दौरान इजरायल ने सिनवार का प्रोफाइल बना लिया था। दरअसल, 2011 में एक कैदी-अदला-बदली के तहत रिहा होने तक दो दशकों तक सिनवार इजरायली जेल में बंद था। उस दौरान इजरायली सैनिकों के पास सिनवार का प्रोफाइल था। बता दें कि याह्या सिनवार 7 अक्टूबर के हमले का मास्टरमाइंड था। हमास के उस हमले में इजरायल के 1200 लोगों की मौत हो गई थी।

अमेरिका और जर्मनी का दावा कहा- खत्म हो सकता है गाजा संघर्ष खत्म

हमास नेता याह्या सिनवार की मौत के बाद अमेरिका और जर्मनी ने बड़ा दावा किया। दोनों देशों का कहना है कि सिनवार की मौत के बाद गाजा पट्टी में संघर्ष खत्म करने की दिशा में सहजता से आगे बढ़ा जा सकता है। जर्मन विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने एक संयुक्त बयान में कहा कि याह्या सिनवार एक निर्दयी हत्यारा और आतंकवादी था, जो इजरायल को खत्म करने और वहां के लोगों को मौत के घाट उतारने पर उतारू था। पिछले साल 7 अक्टूबर को शुरू हुए आतंकवादी हमलों का वह मास्टरमाइंड था, जिसने हजारों लोगों को मौत के घाट उतारा था। बर्लिन में हुई बैठक के बाद दोनों देशों के विदेश मंत्री ने संयुक्त बयान में कहा कि सिनवार ने गाजा में संघर्ष विराम के रास्ते में बाधा डाली थी। उसकी मौत संघर्ष को समाप्त करने के प्रयासों की गति को बढ़ा सकती है। सभी बंधकों को रिहा किया जाना चाहिए। इस दौरान दोनों नेताओं ने गाजा में नागरिकों के लिए मानवीय सहायता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मानवीय सहायता बढ़ाए जाने की दिशा में जर्मनी और अमेरिका अपने साझेदारों के साथ मिलकर काम करेंगे।

सिनवार के बाद खत्म हो जाएगा हमास?

एक वीडियो बयान में हमास के अधिकारी खलील अल-हय्या ने सिनवार की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि समूह अपने महान नेता के नुकसान का शोक मना रहा है। किंग्स कॉलेज लंदन के मध्य पूर्व विश्लेषक एंड्रियास क्रेग ने कहा कि सिनवार की हत्या न केवल एक अत्यंत प्रतीकात्मक घटना थी, बल्कि इस बहुत ही नेटवर्क वाले संगठन में नेतृत्व का शून्य भी पैदा कर दिया।बता दें कि उसकी मौत ईरान में हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हानिया की मौत के दो महीने से कुछ अधिक समय बाद हुई है। हमास और ईरान ने हनिया की मौत के लिए इजरायल को दोषी ठहराया है, हालांकि इजरायल ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। क्रेग ने कहा कि हमास के राजनीतिक नेतृत्व, जो ज्यादातर कतर में निर्वासन में है, और गाजा में सैन्य और परिचालन शाखाओं के बीच मतभेद उभर आए थे। जुलाई में इजरायल ने यह भी कहा था कि उसने गाजा में हमास के सैन्य प्रमुख मोहम्मद दीफ को मार दिया है, जिसे हमास ने नकारा है। क्रेग ने कहा, हमास के विभिन्न सेल लड़ाई जारी रखेंगे, लेकिन आंदोलन के केंद्र में एक शून्य है, और इससे समन्वय करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। सिंगापुर के नेशनल यूनिवर्सिटी के मिडिल ईस्ट इंस्टीटयूट के जेम्स डॉर्सी ने कहा कि सिनवार हमास में एक असाधारण व्यक्ति था। जिसे आंदोलन के राजनीतिक और सैन्य दोनों विंग से व्यापक समर्थन प्राप्त था।

राज्य के सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए हेलमेट अनिवार्य है, पीछे बैठने वालों पर भी यह नियम लागू होगा

अहमदाबाद, गुजरात उच्च न्यायालय की सख्ती के बाद अब राज्य में सभी सरकारी कर्मचारियों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने का आदेश दिया गया है। सभी सचिवालय विभागों के अलावा सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी कार्यालयों, बोर्ड-निगमों, स्थानीय स्व-सरकारी कार्यालयों आदि में दोपहिया वाहनों पर आने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों और पीछे बैठने वाले व्यक्ति के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा। बिना हेलमेट के किसी भी कर्मचारी को सरकारी कार्यालय में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इस संबंध में राज्य सरकार ने सर्कुलर जारी कर दिया है। बता दें कि अहमदाबाद पुलिस कर्मियों/अधिकारियों के लिए पहले ही हेलमेट अनिवार्य कर दिया गया है।

राज्य सरकार ने परिपत्र में कहा है कि राज्य में सड़क दुर्घटनाओं और गंभीर चोटों/मृत्यु की बढ़ती संख्या को देखते हुए सड़क सुरक्षा, जन जागरूकता और यातायात नियमों का अनुपालन अत्यंत आवश्यक है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट का उपयोग न केवल कानून का अनुपालन सुनिश्चित करता है, बल्कि व्यक्ति की सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है, जिसके परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं के दौरान गंभीर चोटों और मृत्यु की संभावना में उल्लेखनीय कमी आती है। अतः राज्य सरकार के सभी सरकारी कर्मचारियों/अधिकारियों द्वारा वाहन चलाते समय निर्धारित मानक के हेलमेट का प्रयोग अनिवार्य रूप से कानून प्रवर्तन एवं संरक्षा/संरक्षा हेतु आवश्यक है।

मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के नियम-129 के अनुसार, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य है, सरकार के परिपत्र विचार के बाद दोपहिया वाहन से यात्रा करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों-कर्मचारियों के लिए निम्नलिखित निर्देश प्रसारित किए जाते हैं। राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों के परिसर।

1. समस्त सचिवालय विभागों, समस्त राज्य शासकीय-अर्धशासकीय कार्यालयों, बोर्डों, निगमों, पूर्ण अथवा आंशिक शासकीय अनुदान प्राप्त संस्थाओं, स्थानीय स्वशासन निकायों में दोपहिया वाहनों पर चालक एवं पिछली सीट पर बैठने वाले अधिकारी/कर्मचारी (मोटरसाइकिल, स्कूटर इत्यादि) उन्हें अनिवार्य रूप से निर्धारित मानक का हेलमेट पहनकर सरकारी कार्यालय परिसर में प्रवेश करना होगा, अन्यथा उन्हें सरकारी कार्यालय परिसर में प्रवेश करने से रोका जा सकता है।

2. इन निर्देशों के समुचित क्रियान्वयन के लिए संबंधित कार्यालय प्रमुख नियंत्रणाधीन सर्वेक्षण अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश एवं सत्यापन की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

3. उक्त व्यवस्था हेतु यदि आवश्यक हो तो पुलिस विभाग/सुरक्षा बल के कार्मिकों की सेवाएँ ली जा सकती हैं।

गरज और तेज हवा के साथ हुई मूसलाधार बारिश में पानी पानी हुआ अहमदाबाद

अहमदाबाद (ईएमएस) शनिवार को अहमदाबाद समेत राज्य के जिलों में बारिश हुई अहमदाबाद में गरज के साथ हुई मूसलाधार बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलजमाव होने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई दोपहर के वक्त अचानक शुरू हुई बारिश के चलते कई जगह ट्रैफिक जाम हो गया अहमदाबाद के एस.जी. हाईवे, चाणक्यपुरी, घाटलोडिया, राणिप, नवरंगपुरा, सोला, नारणपुरा आश्रम रोड, वाडज समेत पूर्व और पश्चिम इलाकों में भारी बारिश हुई। बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में पानी भर गया अचानक हुई बारिश से वाहन चालकों की जाम ने मुश्किलें बढ़ा दीं अहमदाबाद पूर्व और पश्चिम के कुछ हिस्सों में बारिश से मौसम ठंडा हो गया है। हालांकि बारिश बंद होते ही धूप निकलने से उमस से लोग बेहाल हो गए मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिमन्यु चौहान ने बताया कि दक्षिण गुजरात में भारी बारिश का अनुमान हैं स्थानीय संवहन गतिविधि के कारण बारिश का अनुमान है। सौराष्ट्र के कुछ जिलों में भारी से हल्की बारिश का अनुमान हैं अरब सागर से गुजर रहे सिस्टम के प्रभाव के बाद बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने गुजरात में अगले 2 दिनों तक राज्य में बारिश की भविष्यवाणी की हैं खासकर दक्षिण गुजरात में भारी बारिश का अनुमान हैं स्थानीय संवहन गतिविधि के कारण वर्षा हो सकती है। नर्मदा, तापी, सूरत, नवसारी, डांग, वलसाड, दमन, दादरानगर हवेली, अमरेली समेत इलाकों में भारी बारिश का अनुमान हैं

सौराष्ट्र-दक्षिण गुजरात समेत राज्य के 42 तालुकाओं में भारी बारिश, मौसम विभाग ने और बारिश की आशंका जताई

अहमदाबाद, गुजरात में बारिशः मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बाद जहां मानसून की विदाई के दौरान मेघराजा ने दोबारा एंट्री की है, वहीं दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र और राज्य के अन्य हिस्सों में भारी बारिश हुई है। मौसम विभाग ने 23 अक्टूबर तक भारी से हल्की बारिश की भविष्यवाणी की है।

42 तालुकाओं में भारी से हल्की बारिश हुई

आज शनिवार (19 अक्टूबर) को 42 तालुका में बारिश हुई। जिसमें जूनागढ़ के मेंदारा में 3.54 इंच, मालिया हटिना में 2.76 इंच और केसोद में 2.72 इंच, सूरत के उमरपाड़ा में 2.17 इंच, वलसाड के कपराडा में 1.81 इंच, सूरत के पलासन में 1.57 इंच, अमरेली के लाठी में 1.50 इंच बारिश हुई. , जामनगर के लालपुर में 1.34 इंच. जबकि इसके अलावा 34 तालुका में डेढ़ इंच से भी कम बारिश हुई है.

तापी में तेज हवा के साथ बारिश, किसान चिंतित

व्यारा शहर और तापी के ग्रामीण इलाकों में हवा और बारिश हुई. जिसमें वालोड, डोलवान, सोनगढ़ सहित तालुका में धान पकाने वाले किसान चिंतित थे.

सूरत में देर शाम बारिश हुई. जिसमें स्टेशन रोड, गांधी रोड, शास्त्री रोड सहित मांडवी, ओलपाड, मंगरोल तालुका और बारडोली में गरज के साथ भारी बारिश हुई. इसके साथ ही तरसाडीनगर, कोसंबा का बाजार क्षेत्र बारिश के पानी से भर गया है. जबकि मानेकपुर, अस्तान, धमरोड़ गांव सहित क्षेत्र में बारिश हुई.

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक कल (20 अक्टूबर) सौराष्ट्र के अमरेली और भावनगर समेत दक्षिण गुजरात के नवसारी, डांग और वलसाड जिलों के छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश के कारण येलो अलर्ट जारी किया गया है.

सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, ऑटोमोबाइल, ईवी, एयरोस्पेस, डिफेंस, आईटी जैसी कंपनियों की होगी स्थापना

अहमदाबाद , देश के विकास का ग्रोथ इंजन यानी गुजरात। औद्योगिक क्षेत्र में गुजरात भारत के शीर्ष राज्यों में से एक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत2047' के सपने को साकार करने के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य में अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कंपनियाँ निवेश कर रही हैं। गुजरात में बिजनेस के लिए आने वाली कंपनियों को कोई दिक्कत न आए; इसके लिए राज्य सरकार सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाती है, जिसके अंतर्गत भारत सरकार तथा गुजरात सरकार के संयुक्त उपक्रम से विश्व स्तरीय ढाँचागत सुविधाओं व जीवन शैली के उच्च मानदंडों से युक्त धोलेरा स्मार्ट सिटी का विकास किया जा रहा है। गुजरात के धोलेरा में स्थित 'विशेष निवेश क्षेत्र' (स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन-एसआईआर) में भारत की सबसे बड़ी 'ग्रीनफील्ड इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी' का निर्माण हो रहा है। धोलेरा इंडस्ट्रियल सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड की विज्ञप्ति के अनुसार धोलेरा स्मार्ट सिटी में विभिन्न इंडस्ट्रीज तथा उनके कर्मचारियों के लिए सर्वग्राही जीवन शैली के विकास के लिए आवासीय, व्यापारिक, मनोरंजनीय तथा अन्य उद्देश्यों के लिए 920 वर्ग किलोमीटर भूमि आवंटित की गई है। इस प्रोजेक्ट के प्रारंभिक चरण में 22.54 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का विकास किया गया है, जिसमें विश्व स्तरीय प्लग एंड प्ले इन्फ्रास्ट्रक्चर, पेयजल, 24 घण्टे अनावरत विद्युत आपूर्ति, सामान्य अपशिष्ट उपचार संयंत्र (कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट-सीईटीपी), अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट-एसटीपी), सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (इनफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन्स टेक्नोलॉजी-आईसीटी), नैचुरल गैस आदि जैसी सुविधा सेवाओं (यूटिलिटी सर्विसेज) का समावेश किया गया है। धोलेरा स्मार्ट सिटी में सेमीकंडक्टर तथा सम्बद्ध सेवाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, ऑटोमोबाइल, ईवी, एयरोस्पेस, डिफेंस, आईटी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की कंपनियों की स्थापना होगी।

गुजरात सरकार ने धोलेरा में विशेष निवेश क्षेत्र तथा औद्योगिक अंचल के आयोजन, विकास एवं संचालन के लिए वर्ष 2009 में 'गुजरात विशेष निवेश क्षेत्र (जीएसआईआर) अधिनियम 2009' घोषित किया था। इसके अंतर्गत गुजरात के धोलेरा को दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे (दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर-डीएमआईसी) के तहत 'विशेष निवेश क्षेत्र' (एसआईआर) घोषित किया गया था। इसके बाद राज्य सरकार द्वारा इस स्थान के विकास के लिए धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र विकास प्राधिकरण (डीएसआईआरडीए) का गठन किया गया है। धोलेरा स्मार्ट सिटी में इन्फ्रास्ट्रक्चर, सड़क एवं यूटिलिटी नेटवर्क, पानी, बिजली, आईसीटी, गैस, स्टॉर्म वॉटर, वेस्ट वॉटर के लिए ढाँचागत व्यवस्था, 150 एमएलडी क्षमता के साथ वॉटर ट्रीटमेंट एंड सप्लाई सिस्टम, 60 एमएलजी क्षमता वाली औद्योगिक इकाइयों के लिए सीईटीपी तथा कलेक्शन सिस्टम, 30 एमएलडी क्षमता के साथ सीवेज कलेक्शन एंड ट्रीटमेंट सिस्टम इन्स्टॉल किया गया है। यहाँ प्रशासनिक कार्यालय, बैंक्वेट हॉल, मीटिंग रूम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, बैंक, कैफेटेरिया जैसी सुविधाएँ भी तैयार की गई हैं।

धोलेरा में निर्मित-स्थापित होने वाली कंपनियों में तैयार हुए माल-सामान के परिवहन तथा उन्हें देश-दुनिया के विभिन्न स्थानों पर आसानी से पहुँचाने के लिए गुजरात सरकार द्वारा विशेष सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अंतर्गत अहमदाबाद व धोलेरा के बीच एक्सप्रेस वे का निर्माण हो रहा है। इसके तैयार होने से अहमदाबाद-धोलेरा के बीच यात्रा समय 50 प्रतिशत कम हो जाएगा। यहाँ तेज कनेक्टिविटी के लिए ग्रीनफील्ड धोलेरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट विकसित किया जा रहा है। अहमदाबाद-बोटाद ब्रॉडगेज लाइन पर भीमनाथ के मौजूदा स्टेशन से 24.4 किलोमीटर की ग्रीनफील्ड फ्रेट रेल लाइन पश्चिम रेलवे द्वारा विकसित की जाएगी। इस रेल लाइन को साणंद के निकट डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) के साथ भी जोड़ा जाएगा। इतना ही नहीं; पश्चिम रेलवे द्वारा सेमी हाईस्पीड रेल लाइन भी विकसित की जाएगी।

इसके अतिरिक्त; धोलेरा में 72 किलोमीटर में फैला आंतरिक रोड नेटवर्क बनाया गया है, जिसमें 18 से 70 मीटर चौड़े मार्ग शामिल हैं। इस आधुनिक सड़क में भूमिगत यूटिलिटी नेटवर्क विकसित किया गया है; जिसमें बिजली, आईसीटी, नैचुरल गैस, पानी एफ्लुएंट तथा स्टॉर्म वॉटर मैनेजमेंट सिस्टम शामिल हैं। इसी प्रकार; रोड नेटवर्क में पथिकों के लिए विशेष लेन, साइकलिंग लेन, प्लांटेशन तथा भावी मास रैपिड ट्रांसपोर्ट (एमआरटी) के लिए आरक्षित कॉरिडोर शामिल है। धोलेरा स्मार्ट सिटी क्षेत्र में विभिन्न उद्योगों के लिए पावर डिस्ट्रीब्यूशन इन्फ्रास्ट्रक्चर में अनावरत तथा कार्यक्षम विद्युत आपूर्ति की जरूरत से निपटने के लिए टोरेंट पावर द्वारा दो सब-स्टेशन विकसित किए गए हैं। यहाँ वर्तमान विद्युत वितरण क्षमता 500 एमवीए है, जिसका इन सब-स्टेशनों से 1500 एमवीए तक विस्तार हो सकेगा।

केन्द्र सरकार सेमीकंडक्टर, डिसप्ले डिजाइन तथा इनोवेशन इकोसिस्टम विकसित करने को लेकर दूरदर्शी है। गुजरात पहला राज्य है, जिसने भारत सरकार के सेमीकंडक्टर प्रोग्राम के साथ समन्वय वाली सेमीकंडक्टर नीति बनाई है, जिसके अंतर्गत धोलेरा को देश की 'सेमीकॉन सिटी' के रूप में विकसित किया जाएगा। धोलेरा सेमीकॉन सिटी भारत को सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में सर्वोच्च बनाने की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके अतिरिक्त; सेमीकॉन सिटी देश को टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भर बना कर मेक इन इंडिया मिशन की सार्थकता में सहायक बनेगी। धोलेरा एसआईआर में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा 91 हजार करोड़ रुपए के निवेश के साथ भारत के प्रथम सेमीकंडक्टर फैब का निर्माण किया जाएगा, जिसके फलस्वरूप राज्य में अनेक नए रोजगार का सृजन होगा।

भीड़ की हिंसा का शिकार हुए युवक कुख्यात चोर निकले, पुलिस ने मॉब लिचिंग का केस दर्ज किया

वडोदरा (ईएमएस) बीती रात शहर के पुराने आरटीओ के निकट लोगों की भीड़ ने चोर समझ कर दो युवकों पर हमला कर दिया था जिसमें एक युवक की मौत हो गई थी, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ हैं इस संदर्भ में वडोदरा की डीसीपी पन्ना मोमाया ने पत्रकार परिषद की, जिसमें उन्होंने बताया कि इकराम अली इमरान टीलियावाला, शहबाज खान पठान और साहिल साजिद शेख तीनों दोस्त हैं बीती तीनों चोरी की मोटर साइकिल लेकर एकतानगर से निकलकर फतेपुरा की ओर आए जहां चाय पीने के बाद आगे जाकर बाइक खड़ी कर दी और पैदल वहां से जाने लगे उस दौरान किसी ने उनसे पूछा "कौन हो तुम लोग"? सवाल का जवाब देनेके बजाए तीनों वहां से भागने लगे जिससे लोगों को उन पर संदेह हुआ उन्होंने आगे कहा कि इसी बीच साहिल साजिद शेख वहां से चला गया इसके बाद भीड़ ने दो इकराम और शहबाज की पिटाई कर दी जिसमें शहबाज खान पठान की मौत हो गई हैं तीनों आरोपी पासा के तहत एक बार सजा काट चुके हैं इनमें शहबाज़ पठान के खिलाफ चोरी के 10 मामले दर्ज हैं और वह फरवरी-2024 में जेल से बाहर आया था। दूसरा इकराम अली है जिसके खिलाफ 7 अपराध दर्ज हैं। फरवरी-2024 में वाडी पुलिस थाने में पासा के तहत केस दर्ज हुआ था जबकि साहिल साजिद शेख के खिलाफ तीन अपराध दर्ज हैं और यह जून-2024 में पासा के तहत जेल गया था इकराम, शहबाज और साहिल चोरी के इरादे से आये थे लेकिन भीड़ ने उन्हें पकड़कर पीटा डीसीपी आगे कहा कि तीनों लोग एकतानगर में रहते हैं और तीनों ही कुख्यात चोर हैं उनके पास से चोरी के हथियार बरामद किये गये हैं इनके पास से मिली मोटर साइकिल भी चोरी की थी फिलहाल पुलिस ने मॉब लिंचिंग का केस दर्ज कर लिया है और इसमें शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी डीसीपी ने बताया कि पुलिस जब इकराम और शहबाज को बचाने घटनास्थल पर पहुंची उस वक्त पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई हैं हांलाकि पुलिस ने उन्हें बचाया और अस्पताल पहुंचाया

अहमदाबाद में 1 महीने में गुंडागर्दी की 3 बड़ी घटनाएं, लोगों में डर, पुलिस क्या कर रही है?

अहमदाबाद क्राइम केसः लूट, हत्या, मारपीट, धोखाधड़ी, टक्कर, गुंडागर्दी, रोमियोगिरी, रेप, रंगदारी, डकैती, चेन स्नैचिंग, चोरी, अपहरण, सूदखोरी, साइबर क्राइम जैसे अपराध की घटनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। ऐसी घटनाएं सबसे ज्यादा राज्य के अहमदाबाद और सूरत में देखने को मिलती हैं. शहर में असामाजिक तत्व तलवार, पाइप, चाकू, बंदूक जैसे घातक हथियार लेकर घूम रहे हैं. शहर में उपद्रवी तत्वों को कानून का कोई डर नहीं है. छोटे-छोटे झगड़े बड़े बवाल का कारण बन रहे हैं. चोर देर रात तक वाहन दौड़ाते नजर आते हैं। फिर अहमदाबाद में पिछले एक महीने में तीन बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं. शहर की कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं. यूपी-बिहार जैसे नजारे अब गुजरात में हो रहे हैं.

अहमदाबाद के पुराने वाडज इलाके में शुक्रवार (18 अक्टूबर) को यूपी-बिहार जैसे आतंक का खौफ देखने को मिला। यहां असामाजिक तत्वों की भीड़ ने पुरानी दुश्मनी का बदला लेने के लिए जमकर कहर बरपाया. करीब 30 लोगों की भीड़ तलवार, पाइप और लाठियां लेकर ओल्ड वाडज की राम कॉलोनी में घुस गई. वहां उन्होंने सोसायटी में पड़ी स्थानीय निवासियों की कारों के शीशे भी तोड़ दिए, जिससे लोगों में दहशत और डर फैल गया और लोगों ने घरों के दरवाजे बंद कर लिए. हालांकि, पुलिस ने कुछ ही घंटों में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है.

हुआ यूं कि एक महीने पहले कानू भरवाड नाम के शख्स ने लक्की सरदार, शनि सरदार, राजू दाबोदी, जेबूभाई नाम के चार लोगों के खिलाफ वाडज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी. एक महीने पहले जब कनु भरवाड अपने दोस्त के साथ जा रहा था तो ये चारों लोग उससे भिड़ गए और पाइप से उसकी पिटाई कर दी. इसलिए कनु भरवाड ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. इसके बाद कानू भरवाड़े बदला लेने की नियत से शुक्रवार को अपने 30 से अधिक दोस्तों के साथ ओल्ड वाडगे पहुंचा.

अमराईवाड़ी में समाज में बर्बरता

कल ही अहमदाबाद शहर के अमराईवाड़ी इलाके में काफी आतंक मचा हुआ था. पूरे इलाके में भय का माहौल फैल गया क्योंकि उन्होंने तलवारों, लाठियों और पाइपों से दुकानों और वाहनों में तोड़फोड़ की। स्थानीय लोग डरे हुए थे. ऐसी हिंसक घटना के दृश्य वहां के स्थानीय लोगों ने कैद कर लिए. वीडियो देखकर ऐसा लग रहा है कि अहमदाबाद के अमराईवाड़ी इलाके में दंगाई तत्वों को पुलिस का भी डर नहीं है. मिली जानकारी के मुताबिक, किसी बात को लेकर बदमाशों से झगड़ा होने के बाद एक परिवार के लोगों पर इस तरह से हमला किया गया. जिसके चलते पीड़ित परिवार ने खुद को घर में बंद कर अपनी जान बचाई। हालांकि, वे अब भी डर के साए में जीने को मजबूर हैं।

पुलिस से शिकायत करने के बावजूद ऐसे असामाजिक तत्व लगातार इस परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं. उन पर धारदार हथियारों से हमला करने की भी कोशिश की जा रही है. इस मामले की जानकारी जब अमराईवाड़ी पुलिस को हुई तो उन्होंने शिकायत दर्ज कर तत्काल जांच की.

घाटलोदिया की चाणक्यपुरी सोसायटी में तोड़फोड़

कुछ दिन पहले अहमदाबाद शहर के घाटलोडिया इलाके में चाणक्यपुरी की शिवम आर्केड सोसायटी में नशे में धुत तत्वों ने आतंक मचाया था. शिवम आर्केड के एक फ्लैट में शराब पार्टी का आनंद लेने के बाद बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। युवक के नशे में होने के कारण स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर हंगामा किया. मामला तब उलझ गया जब शिवम आर्केड में उत्पात मचा रहे असामाजिक तत्वों को सिक्योरिटी ने रोका और उस व्यक्ति ने अन्य गुंडों को बुला लिया. इसके बाद 20 से ज्यादा लोगों की भीड़ ने सोसायटी पर तलवारों, लाठियों, पत्थरों और घातक हथियारों से हमला कर दिया।

लाठी तहसील में आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

अमरेली (ईएमएस) नवरात्रि पूर्ण हो चुकी है और दिवाली के आडे गिनती के दिन रह गए हैं लेकिन बारिश का दौर थम नहीं रहा आनेवाले दिनों में भी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया हैं शनिवार को अहमदाबाद समेत राज्य के कई जिलों में बारिश हुई सौराष्ट्र के अमरेली जिले की लाठी तहसील में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई यह घटना उस समय हुई जब पांचों लोग खेत से लौट रहे थे यह घटना अमरेली जिले की लाठी तहसील के आंबरडी गांव में घटी जानकारी के मुताबिक आंबरडी गांव में बारिश के बीच एक ही परिवार के पांच लोग खेत से लौट रहे थे उस वक्त आकाशी बिजली गिरी बिजली गिरने से 3 लोगों के घबरा जाने से ढसा के अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि बिजली की चपेट में आए 3 बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई मृतकों में 35 वर्षीय भारती भावेशभाई सांथळिया, 18 वर्षीय शिल्पा विजयभाई सांथळिया, 7 वर्षीय रिद्धि भावेशभाई सांथळिया, 8 वर्षीय रूपाली दलसुखभाई सांथळिया और 5 वर्षीय राधे भावेशभाई सांथळिया शामिल हैं बिजली गिरने की घटना में 5 लोगों की मौत से आंबरडी गांव में शोक व्याप्त हैं

स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और मेड इन इंडिया जैसे अभियानों के जरिए देश औद्योगिक क्षेत्र में वैश्विक छलांग लगाई : मुख्यमंत्री

- बड़ौदा मैनेजमेंट एसोसिएशन के 'स्टार्टअप सिनर्जी-2024' में मुख्यमंत्री की प्रेरक उपस्थिति

वडोदरा (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और मेड इन इंडिया जैसे अभियानों के जरिए औद्योगिक क्षेत्र में वैश्विक छलांग लगा रहा है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के माध्यम से युवा उद्यमी अपने नवोन्मेषी विचार देश और दुनिया के समक्ष रख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव ही युवाओं को विकसित भारत के निर्माण के लिए 'न्यू एज पावर' के रूप में स्थापित किया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल वडोदरा में बड़ौदा मैनेजमेंट एसोसिएशन की ओर से आयोजित 'स्टार्टअप सिनर्जी-2024' कार्यक्रम में उद्यमियों को संबोधित कर रहे थे। इस स्टार्टअप सिनर्जी में 300 से अधिक नए उद्यमी हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में डिजिटल इंडिया अभियान को गति मिली है। प्रधानमंत्री के 'मिशन लाइफ' (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) और 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियानों से नागरिक पूरी संवेदना और भावनाओं के साथ जुड़ रहे हैं।

ऋषभायन भारतीय संस्कृति और उसकी उत्पत्ति को वैश्विक मंच पर लाता है

विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों ने सभी धर्मों और संस्कृतियों में भगवान ऋषभ देव के प्रति श्रद्धा पर दिलचस्प अंतर्दृष्टि प्रदान की

अहमदाबाद, 19 अक्टूबर - श्री शाहीबाग गिरधरनगर जैन संघ के सहयोग से लब्धि विक्रम जन सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक दिवसीय सेमिनार और ऐतिहासिक संगोष्ठी, ऋषभायन, वास्तव में अपनी तरह का पहला मंच था जहां विद्वान, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, साहित्यकार, धार्मिक गुरु और प्रतिष्ठित व्यक्ति एक ही छत के नीचे एकत्रित हुए इन विद्वानों ने समृद्ध और जीवंत भारतीय संस्कृति के प्रणेता माने जाने वाले ऋषभदेव के जीवन और कार्यों पर गहन चर्चा की।

सेमिनार में भारतीय संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक-राजनीतिक संरचना के प्रवर्तक भगवान ऋषभदेव के गहन योगदान पर विशेष ध्यान देने के साथ भारतीय सभ्यता के समृद्ध ऐतिहासिक, दार्शनिक और सामाजिक पहलुओं पर दिलचस्प और विचारोत्तेजक चर्चा हुई।

श्री संवेग लालभाई ने कहा कि ठऋषभयान - भारतीय सभ्यता के पूर्वजठ सेमिनार व्यक्ति की आत्मा के परम ज्ञान के साथ-साथ पारिवारिक संरचना, शास्त्रों और विभिन्न कला रूपों की स्थापना में भगवान ऋषभदेव के योगदान को पहचानने का एक गौरवपूर्ण प्रयास था। प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का उल्लेख कई हिंदू धर्मग्रंथों और उपनिषदों में भी किया गया है। इसमें प्रख्यात हिंदू महंतों, विशेषज्ञों, विद्वानों, शोधकर्ताओं के अलावा जैनाचार्यों के महत्वपूर्ण योगदान शामिल हैं और पूरे विश्व और समाज के कल्याण के लिए भगवान ऋषभदेव के प्रयासों के आकर्षक पहलुओं पर प्रकाश डाला गया है।

जैन धर्म में, भगवान ऋषभदेव को वर्तमान अवसर्पिणी के पहले तीर्थंकर के रूप में पूजा जाता है और उन्हें मानव सभ्यता का पूर्वज माना जाता है। उन्हें पारिवारिक संरचना, सामाजिक व्यवस्था, प्रशासन और राजनीतिक व्यवस्था बनाने का श्रेय दिया जाता है।

फोर्स मोटर्स के चेयरमैन जैन विद्वान एवं दानवीर डॉ. अभय फिरोदिया ने कहा, "ऋषभयान विभिन्न क्षेत्रों के कई बुद्धिजीवियों के लिए एक मंच पर एक साथ आने और ऋषभदेव, उनकी रचना और उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं पर चर्चा करने का एक अनूठा अवसर था जो आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। इस भव्य आयोजन को देखना और इसमें योगदान देना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है।"

डॉ। अभय फिरोदिया, अर्पित शाह, डॉ. रमज़ान हसनिया जैसे प्रसिद्ध विद्वानों द्वारा पैनल चर्चा और प्रस्तुतियों में भगवान ऋषभदेव के जीवन और जैन धर्म और भारतीय संस्कृति पर उनकी शिक्षाओं के प्रभाव के बारे में कुछ अज्ञात लेकिन दिलचस्प तथ्य प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और भाजपा अध्यक्ष (गुजरात) श्री सीआर पाटिल, गुजरात के गृह मंत्री और खेल और युवा मामलों के राज्य मंत्री श्री हर्ष सांघवी और अहमदाबाद की मेयर श्री प्रतिभा जैन सहित विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

जैनाचार्य यशोवर्मसूरीश्वरजी महाराज साहेब ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, "विद्वानों की भागीदारी और ऐसी प्रसिद्ध हस्तियों की उपस्थिति ने ऋषभायन को सफल बनाया है। ऋषभदेव भारत की सांस्कृतिक विरासत के निर्माता थे। उनकी शिक्षाएँ केवल जैन धर्म तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि लगभग सभी धर्मों में प्रचलित हैं। इस सेमिनार के माध्यम से हम भारत की समृद्ध विरासत में रुचि को पुनर्जीवित करना चाहते हैं, खासकर युवा पीढ़ी के बीच जो शायद इसकी गहराई और महत्व को पूरी तरह से नहीं समझते हैं।"

प्यार का उत्सवः कलर्स के कलाकारों ने करवा चौथ की भावना को अपनाया

कलर्स के शो 'मेघा बरसेंगे' में अर्जुन का किरदार निभाने वाले नील भट्ट कहते हैं, "ऐश्वर्या और मेरे लिए, करवा चौथ किसी आम परंपरा से कही बढ़कर है - यह हमारे प्यार और एक-दूसरे के लिए हमारे महत्व का उत्सव है। हर साल, जब हम दोनों व्रत रखते हैं, तो हमें एक-दूसरे से मिलने वाली ताकत की याद आती है। मेघा बरसेंगे के सेट पर, हम प्यार का अपना छोटा सा त्यौहार बना रहे हैं। शूटिंग की सारी हलचल के बीच, हम भक्ति, हंसी, और रिश्तों में आने वाले करवा चौथ के जादू को प्रदर्शित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। यह दिन मनाने वाले सभी लोगों को, मैं प्यार और एकजुटता से भरे दिन की शुभकामनाएं देता हूं।"

Q1-वित्त वर्ष 2025 में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ 99.35% के साथ दावा निपटान अनुपात में शीर्ष पर है

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने Q1-वित्त वर्ष 2025 के लिए 99.35% का दावा निपटान अनुपात दर्ज किया है, जो देश के सभी जीवन बीमाकर्ताओं में सबसे अधिक है। विशेष रूप से, दावा निपटान का औसत समय केवल 1.2 दिन था। साथ ही, इस अवधि के दौरान कंपनी द्वारा निपटाए गए मृत्यु दावों की कुल लागत रु. 381.24 करोड़.

श्री अमीश बैंकर, मुख्य परिचालन अधिकारी, ग्राहक सेवा, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने कहा, "जीवन बीमा एक ऐसा उत्पाद है जो कमाने वाले सदस्य के खोने की स्थिति में परिवार की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसलिए, हम हर दावे पर अत्यंत संवेदनशीलता और तेजी से कार्रवाई करते हैं। Q1-FY2025 के लिए हमारा व्यक्तिगत मृत्यु दावा अनुपात 99.35% था और गैर-जांच मृत्यु दावों को निपटाने का औसत समय केवल 1.2 दिन था। हमारा मानना है कि हमारा दावा निपटान अनुपात उद्योग में सर्वश्रेष्ठ में से एक है। इसी अवधि के लिए, हमने कुल रु. 381.24 करोड़ का दावा निपटाया गया।

हमारे पास लगातार उद्योग में अग्रणी दावा निपटान अनुपात रखने का इतिहास है। उदाहरण के लिए, Q1-FY2024 में यह 97.94इ था, Q2-FY2024 के लिए यह 98.14% था, Q3-FY2024 में यह 98.52% था और FY2024 के लिए यह 99.17% था।

राजधानी एक्सप्रेस में रेलवे स्टाफ की त्वरित कार्यवाही ने एक यात्री की जान बचाई

पश्चिम रेलवे का अहमदाबाद मण्डल अपने सभी यात्रियों को सुरक्षित यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए समर्पित है। पश्चिम रेलवे यात्रियों की यात्रा के दौरान हर संभव सहायता सुनिश्चित करने में हमेशा सबसे आगे रहती है।

एक अनुकरणीय कार्य का उदाहरण पेश करते हुए गाड़ी अधीक्षक श्री राकेश कुमार पाठक ने अपनी त्वरित सोच के माध्यम से एक यात्री की जान बचाने में मदद की। नई दिल्ली-साबरमती स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस में श्री राघव शर्मा (बी-1,सीट-4) नई दिल्ली स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने के साथ ही उनके छाती में दर्द होने लगा तभी श्री राकेश कुमार पाठक गाड़ी अधीक्षक ने तुरंत यात्री को पैंटीकार में लिटाया और कमर्शियल कंट्रोल को सूचित किया कि दिल्ली कैंट स्टेशन पर डॉ. की जरूरत है तथा ट्रेन में भी डॉक्टर के लिए भी अनाउंसमेंट किया गया। अनाउंसमेंट सुनकर एच/1 कोच से यात्रा कर रही एक लेडीज डॉक्टर सहित 6-7 डॉक्टर भी आ गए। डॉक्टर्स के चेक करने के बाद उसका उपचार किया गया जिससे यात्री को काफी आराम मिला। उसी समय इनके फैमिली सदस्यों अवगत कराया गया। इनके परिवार को पूर्ण रूप से आश्वासन भी दिया गया।यात्री ने भी ख़ुद बताया कि मैं अभी काफी अच्छा हूं। मुझे यात्रा करने दी जाए। यात्री को आराम मिलने के बाद उसकी ही बर्थ पर लिटाया गया। रात्रि के समय रेलवे स्टाफ बारी-बारी से चेक करते रहे। यात्री ने सुबह उठकर सभी स्टाफ और डॉक्टर को धन्यवाद दिया और कहा कि आप सभी की मेहनत से मैं कुशलपूर्वक हूँ। आप सभी सदस्य का में आभारी हूँ। इस प्रकार रेलवे स्टाफ की सजगता एवं त्वरित कार्रवाई से उनका जीवन बचाया जा सका।

पश्चिम रेलवे - भावनगर मण्डल

ईलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का वार्षिक रखरखाव अनुबंध

W.118/NIT/E-Tender/2024-25/22/WA दिनांक : 14/10/2024. भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मण्डल रेल प्रबंधक (एस एण्ड टी) पश्चिम रेलवे, भावनगर निम्नानुसार कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। निविदा सं. 25-2024R. कार्य का नाम: भावनगर मण्डल :- बोटाद-गांधीग्राम एवं ढसा-जेतलसर अनुभाग में 28 स्टेशनों के MEDHA बनावट के ईलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का तीन वर्ष की अवधि के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध। (CAMC) अनुमानित लागत: ₹ 9,02,42,317.07/- (रु. नौ करोड़ दो लाख बयालीस हजार तीन सो सतरह एवं पैसे सात केवल) बिडर्स को केवल www.ireps.gov.in के द्वारा ऑन लाईन आवेदन करना होगा। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.ireps.gov.in देखें। ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि : 13/11/2024 को 15:00 बजे तक है।

BVP-123

हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95